

मनेन्द्रगढ़

26 अगस्त 2026 बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक

मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

ममता बोलीं- शुभेंदु ने नजरबंद करने की धमकी दी

महिलाओं का मुद्दा उठाया तो बोले- फेसबुक तक रहो, घर से बाहर मत निकलना

कोलकाता,एजेंसी। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुझे घर में नजरबंद करने और राजनीतिक रूप से परेशान करने की धमकी दी।रिपोर्ट्स के मुताबिक ममता ने एक्स पर शुभेंदु का एक वीडियो भी शेयर किया जिसमें वे कहते हुए दिख रहे हैं कि ममता फेसबुक तक ही रहें। मैं उन्हें सडक पर नहीं आने दूंगा। ममता ने कहा कि शुभेंदु ने मुझे धमकी दी है कि अगर मैंने सडकों पर विरोध करने की कोशिश की, तो मुझे घर से बाहर नहीं निकलने दिया जाएगा।

ममता ने कहा- राजनीति से सन्यास नहीं लूंगी:ममता ने आगे कहा कि वह राजनीति से सन्यास नहीं लेंगी। भाजपा को हाशिए पर पहुंचाने तक वह नहीं रुकेगी। सिर्फ चार महीनों में ही बंगाल के लोगों को भाजपा का असली चेहरा समझ आ गया।

उन्होंने आरोप लगाया, 'राज्य के अलग-अलग हिस्सों में महिलाएं अन्नपूर्णा भंडार आर्थिक सहायता योजना का पैसा मिलने में देरी के खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। राज्य की बीजेपी सरकार आपात्रता का बहाना बनाकर लाभार्थियों की संख्या घटा रही है।'

ममता ने कहा, 'हमने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए लक्ष्मी भंडार योजना शुरू की थी, लेकिन भाजपा अन्नपूर्णा भंडार का पैसा देने के लिए धर्म और नस्ल को आधार मान रही है।

बीजेपी चुनाव से पहले सभी महिलाओं को अन्नपूर्णा योजना का पैसा देने का वादा कर अब उन्हें धोखा दे रही है।'

अमेरिका का ईरान की कमाई के 5 रास्तों पर बैन

इनमें सोना, टेक्नोलॉजी और शिपिंग शामिल, कहा- जो देश बिजनेस करेंगे, उन पर भी कार्रवाई

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका ने ईरान की अर्थव्यवस्था के 5 महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। जिसका इस्तेमाल ईरान दूसरे देशों में अपनी आर्थिक गतिविधियों के लिए करता है।इनमें डिजिटल एसेट्स (जैसे क्रिप्टोकॉइन्स), टेक्नोलॉजी, सोना, एविएशन और शिपिंग सेक्टर शामिल हैं। अमेरिका इन क्षेत्रों के जरिए ईरान की कमाई और अंतरराष्ट्रीय कारोबार को रोकना चाहता है।

यानी अगर कोई देश इन क्षेत्रों में ईरान के साथ ऐसा कारोबार करता है जिससे उसे पैसा या आर्थिक फायदा मिलता है। तो अमेरिका उस देश पर भी प्रतिबंध लगा सकता है या उसे अमेरिकी डॉलर की वित्तीय व्यवस्था से बाहर कर सकता है।

अमेरिका ने अभी यह साफ नहीं किया है कि किन देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जाएंगे। हालांकि, चीन, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ईरान के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं।

अमेरिका बोला- अब ईरान के पास सिर्फ दो रास्ते बचे

अमेरिकी टेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि हमने 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' शुरू किया है। यह ईरान और उसके सहयोगी देशों के खिलाफ एक अभियान है।

ईरान के सामने अब सिर्फ दो रास्ते हैं। पहला- पूरी तरह से दुनिया से अलग-थलग पड़ना और गुजारे लायक अर्थव्यवस्था। दूसरा- फिर से सामान्य स्थिति की ओर बढ़ना और वैश्विक अर्थव्यवस्था में फिर से शामिल होने का मौका पाना।

भोपाल/पटना/जयपुर/लखनऊ,एजेंसी।दिल्ली-NCR में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेज बारिश हो रही है। एम्स फ्लाईओवर, कर्नाट प्लेस, ITO और आरके पुरम समेत कई इलाकों में 3-4 फीट तक पानी भर गया। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है।दिल्ली-गुरुग्राम को जोड़ने वाले NH-48 पर महिपालपुर के पास ट्रेफिक जाम लगा। दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की। सोमवार को करीब 390 फ्लाइट्स लेट हुईं, 15 डायवर्ट और 26 कैसिल की गईं।गुरुग्राम में कई जगह 3 फीट तक पानी भरने के बाद मंगलवार को सरकारी दफ्तरों और स्कूलों में वर्क फ्रॉम होम लागू किया गया। सोमवार को कई स्कूल बसें 3-6 घंटों तक पानी में फंसी रहीं।यूपी के अयोध्या समेत 15 शहरों में बारिश हो रही है। वाराणसी में सोमवार रात 8 बजे से बारिश जारी है और स्कूल बंद

दिल्ली-एनसीआर में लगातार दूसरे दिन तेज बारिश, गुरुग्राम में वर्क-फ्रॉम-होम

यूपी में 4 की मौत; एमपी समेत 15 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट

कर दिए गए हैं। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 4 लोगों की मौत हुई। मथुरा में सड़कें पानी भर गया और भोपाल में ट्रैफिक प्रदेश के भोपाल समेत कई जिलों में भी तेज बारिश हुई। विदिशा के बाजार में पानी भर गया और भोपाल में ट्रैफिक प्रभावित हुआ। प्रदेश में अब तक 28.75 इंच बारिश हुई है।मौसम विभाग ने 27 अगस्त तक एमपी, यूपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, उत्तराखंड और केरल समेत 15 राज्यों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

रिजिजू बोले: राहुल के निशाने पर सिर्फ हिंदू क्यों अल्पसंख्यक महिलाओं की बात क्यों नहीं करते समाज बांटने के लिए बेटियों को कम न आंके

नई दिल्ली,एजेंसी।केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'पितृसत्ता तोड़ो' बयान पर सवाल उठाए।उन्होंने पूछा कि कांग्रेस पार्टी हिंदू परंपराओं को ही निशाना क्यों बनाती है और अल्पसंख्यक महिलाओं की स्थिति पर चुप क्यों रहती है।रिजिजू ने सोशल मीडिया एक्स पर कांग्रेस के सामाजिक सुधार के तरीके को चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी महिलाओं के साथ खड़ी है, तो उसे हर समुदाय की हर महिला के साथ खड़ा होना चाहिए।

राहुल बोले थे- मनुस्मृति में महिलाएं परिवार की संपत्ति: राहुल गांधी ने शनिवार को पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में महिलाओं की आजादी और पितृसत्ता के मुद्दे पर एक घंटा 16 मिनट बात की थी।

उन्होंने कहा, 'महिला की पहचान उसके पिता, पति या बेटे से नहीं होती, बल्कि उसकी अपनी पहचान होती है।' मनुस्मृति का जिक्र करते हुए महिलाओं को पिता, पति और बच्चों की संपत्ति मानने वाली सोच को शर्मनाक बताया।

राहुल ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ 3 तरह से हिंसा होती है। पहली- पैदा होते ही हत्या, दूसरी- शारीरिक अत्याचार, तीसरी-आर्थिक बहिष्कार। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, नौकरी, संपत्ति और अपने फैसले लेने की पूरी आजादी मिलनी चाहिए।

राहुल ने छात्राओं से कहा कि वे डरें नहीं, अपनी आवाज बुलंद करें और अपने लिए लड़ें। इस दौरान राहुल ने 5 लड़कियों से बातचीत की।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में 3 सदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

हैंड ग्रेनेड और हिजबुल मुजाहिदीन के पोस्टर बरामद; पुलवामा में भी 2 सहयोगी पकड़ाए

श्रीनगर,एजेंसी।जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षाबलों ने सोमवार रात चेकिंग के दौरान तीन सदिग्ध आतंकीयों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 2 हैंड ग्रेनेड और हिजबुल मुजाहिदीन के पांच पोस्टर मिले हैं।पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की पहचान कुलगाम निवासी जुनैद अहमद खर, आमिर यूसुफ और जुनैद मुजाफ्फर के रूप में हुई है। बरामद सामान को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है।वहीं, पुलवामा में भी सुरक्षाबलों ने यरवान जंगल में सच ऑपरेशन के दौरान दो सदिग्ध आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान लतीफ अहमद दीवाद और एजाज अहमद बजाद के रूप में हुई है।

नितिन गडकरी बोले: अब ज्यादा काम नहीं कर सकता

नई पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए

लगाई जा रही है।यही वजह है कि गडकरी के इस बयान को भावी राजनीतिक और संगठनात्मक बदलावों से जोड़कर देखा जा रहा है।

कोरोना के बाद सेहत सुधारने पर दिया ध्यान गडकरी ने अपने पुराने दिनों का एक मजेदार किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, 'जुवानी के दिनों में मेरी जीवनशैली बहुत ही अनियंत्रित थी। पार्टी का काम करते समय शाम को समोसा खाकर सो जाता था। लेकिन कोविड के बाद मैंने अपनी सेहत पर ध्यान देना शुरू किया है।' युवाओं को सलाह देते हुए उन्होंने कहा, 'अब मैं रोज सुबह उठकर ढाई घंटे एक्सरसाइज और प्राणायाम करता हूं।

यूपी में हुई 3572 नियुक्तियां

सीएम योगी ने दिया नियुक्ति पत्र

किया एलान- छह महीने में देंगे एक लाख नौकरियां

लखनऊ,एजेंसी। यूपी में कृषि विभाग और मंडी परिषद में चयनित युवाओं को मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने नियुक्ति पत्र सौंपे। कार्यक्रम राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित किया गया। कृषि विभाग में प्राविधिक सहायक (ग्रुप-सी) के 3446 पदों, जबकि मंडी परिषद में मंडी सचिव के 126 पदों पर चयन प्रक्रिया हाल ही में पूरी हुई। दोनों विभागों के चयनित कर्मिकों को समारोह में नियुक्ति पत्र दिए गए। कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह ओलख समेत अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारियों की मौजूदगी रही।

पटना- छात्रों का प्रदर्शन, पहली बार बुलेट प्रूफ बंकर मंगवाया

वाटर कैनन चली, छात्रा का सिर फटा, CRPF से झड़प; TRE-4 एग्जाम में बदलाव की मांग

पटना,एजेंसी।BPSC TRE-4 से PT-Mains, नेगेटिव मार्किंग हटाने और 100% डेमिसेइल की मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग में छात्रों का आंदोलन जारी है। छात्रों का एक गुट मंगलवार को सीएम हाउस घेरने निकला था।छात्रों को रोकने के लिए जेपी गोलंबर पर फोर्स की तैनाती की गई। CRPF जवानों को भी उतारा गया, लेकिन छात्र जेपी गोलंबर पर लगी बैरिकेडिंग को तोड़कर डंकबंगला पहुंच गए थे।डंकबंगला पर CPFR जवानों के साथ उनकी धक्का मुक्की हुई। पुलिस उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इस दौरान एक छात्र का सिर फट गया और एक छात्र बेहोश हो गई। पानी की बौछार में प्रदर्शन कर रहे छात्र शैपू लगाकर नहाते भी दिखे। छात्रों के प्रदर्शन के बीच बंकर गाड़ी बुलाई गई है। इस गाड़ी का इस्तेमाल अमूमन नक्सली इलाकों में किया जाता है।इस बीच सीएम सम्राट चौधरी ने एक्स पर पोस्ट कर

प्रदर्शनकारी बोले- आंदोलन में फूट डाल रही सरकार

प्रदर्शन में शामिल मनोज कुमार चंद्रवंशी ने बताया कि कल हमारी शिक्षा सचिव और पटना के सीएम से बात हुई थी। हमने बताया था कि हम गांधी मैदान से सीएम हाउस तक जाएंगे। सरकार हमारी मांगें मानने की जगह आंदोलन में फूट डालने में लगी है। कोविंग के छात्रों को घमकाया जा रहा है। हम मुख्यमंत्री से मिलकर ही रहेंगे।

विद्यार्थी सहयोग शिविर के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया-विद्यार्थियों की हर आवाज सुनी जाएगी।ऑल बिहार

स्टूडेंट यूनियन (ABSU) के छात्र नेता अमन गुट की ओर से यह माच निकाला गया है।

नई दिल्ली,एजेंसी। प्राइवेट कंपनियों तक पहुंच रहे व्यक्तिगत डेटा पर सुप्रीम कोर्ट ने जित्ता जताई है। कोर्ट ने सोमवार को एक ऐसे कर्मशैल

'प्राइवेट कंपनियां कर रही पर्सनल डेटा का गलत इस्तेमाल'

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिए लगाम लगाने के निर्देश

गलत इस्तेमाल को रोकें' चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने माना कि यह मामला मुख्य रूप से पॉलिसी के दायरे में आता है, लेकिन तहत सरकार को दी गई व्यक्तिगत जानकारी तक प्राइवेट कंपनियों की पहुंच और उसके कर्मशैल इस्तेमाल को चिंताजनक बनाती है।

याचिकाकर्ता ने बेंच के सामने बताया कि इस मुद्दे पर उनकी अपनी जांच से पता चला है कि सिर्फ PAN और UAN की जानकारी एक प्राइवेट वेरिफिकेशन सिस्टम को देने पर, याचिकाकर्ता को उन पहचानकर्ताओं से जुड़ी पूरी रोजगार हिस्ट्री मिल गई।याचिकाकर्ता ने बताया कि लोगों की इस जानकारी को लेते समय कोई OTP ऑथेंटिकेशन नहीं हुआ। कोई स्पष्ट सहमति नहीं ली गई। पहचान वेरिफाई करने के लिए कोई साफ ऑथराइजेशन-आधारित प्रक्रिया नहीं अपनाई गई।

डेटा की सुरक्षा को लेकर उठे सवाल डेटा लीक के लिए सरकारी एजेंसियों को दोषी ठहराए बिना, याचिकाकर्ता ने अलग-अलग कानूनों

के तहत सरकार को दिए गए व्यक्तिगत डेटा की असुरक्षित स्थिति पर जोर दिया, क्योंकि प्राइवेट कंपनियां अपनी मर्जी से उन तक पहुंचती हैं।

याचिकाकर्ता ने कहा, 'EPFO और I-T डेटा को निर्यात करने वाले कानूनी ढांचे के बावजूद, एक उभरता हुआ और चिंताजनक पैटर्न दिख रहा है, जिसमें प्राइवेट रोजगार वेरिफिकेशन सिस्टम, रोजगार वेरिफिकेशन, मूनलाइटिंग का पता

लगाने, दोहरी नौकरी की जांच, लेबर मार्केट प्रोफाइलिंग और रोजगार से जुड़े फैसले लेने जैसे कामों के लिए कानूनी रोजगार और वित्तीय रिकॉर्ड से जुड़े डेटा पर निर्भर करते हैं।'

पॉलिसी फैसले के जरिए मामला हल करें सरकार सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की बात सुनने पर माना कि यह एक गंभीर मामला है, लेकिन कहा कि इसे पॉलिसी फैसले के जरिए हल किया जाना चाहिए।

गैर-मिजो से शादी पर छिन जाते हैं महिलाओं के अधिकार, मिजोरम के मैरिज एक्ट के खिलाफ SC में याचिका दायर

आइजोल, एजेंसी। एंटरप्रेन्योर और कांग्रेस नेता मेरियम एल. ह्वांगचल ने सोमवार, 24 अगस्त को मिजो मैरिज, डिबोर्स एंड इन्हेरिटेन्स ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, 2014 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है।मेरियम का मानना है कि इस कानून के तहत मिजोरम की महिलाओं से अधिकार छीन लिए गए हैं, अगर वह जो मिजो समुदाय से बाहर शादी करती हैं।

महिलाओं को नहीं मिल रहे अधिकार: लाल थनहवला की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार के बनाए गए इस कानून को मेरियम ने महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण बताया और कहा कि ये कानून पूरी तरह मिजो पुरुषों के पक्ष में है। पूर्व डिप्टी सीएम लालहमिंगथांग की बेटी मेरियम ह्वांगचल ने सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच को बताया कि यह कानून, जिसने पारंपरिक कानूनों को कानूनी रूप दिया था, मिजो जनजाति के किसी भी व्यक्ति पर लागू होता है और उन शायियों पर भी लागू होता है



जिनमें पुरुष मिजो जनजाति का हो। मेरियम ने कोर्ट को बताया कि 2014 का यह कानून उन मिजो महिलाओं को शादी, संपत्ति और विरासत से जुड़े व्यापक सामुदायिक कानूनी ढांचे का लाभ नहीं देता है जो मिजो समुदाय से बाहर शादी करती हैं। मेरियम ने महिलाओं के इन कानूनों के हनन से यह संविधान के आर्टिकल 14 और 21 के तहत उनके समानता, सम्मान और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के

अधिकार का उल्लंघन करता है। मिजो महिला के गैर-मिजो पुरुष से शादी करने पर सवाल मेरियम ने अपने खुद के वैवाहिक रिश्ते का उदाहरण देते हुए बताया कि यह कानून मिजो महिलाओं की स्वतंत्र पहचान को कमतर करता है और उन्हें 2014 के कानून के तहत मिलने वाले फायदों से वंचित रखता है। यह कानून मिजो पुरुष और गैर-मिजो महिला के बीच शादी पर तो लागू

होता है, लेकिन मिजो महिला और गैर-मिजो पुरुष के बीच शादी को इसमें शामिल नहीं करता है। मेरियम ने कोर्ट को बताया, ऐसे प्रावधानों का असर यह होता है कि जो मिजो महिलाएं गैर-मिजो पुरुषों से शादी करती हैं और ऐसी शायियों से पैदा होने वाले बच्चे, मिजो समुदाय से जुड़े होने के बावजूद इस कानूनी व्यवस्था से बाहर रह जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को दिए निर्देश
सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि उनकी याचिका में उठाया गया मुद्दा महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट ने मेरियम से पूछा कि वह हाई कोर्ट क्यों नहीं गई। इस सवाल पर मेरियम के वकील ने कहा कि समुदाय छोटा होने के कारण, उन्हें डर था कि अगर उनकी याचिका पर गुवाहाटी हाई कोर्ट की आइजोल बेंच सुनवाई करती है तो उनकी सुरक्षा को खतरा हो सकता है। बेंच ने मेरियम की चिंता को समझा और गुवाहाटी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से अनुरोध किया कि वे उनकी याचिका को आइजोल बेंच को भेजे बिना गुवाहाटी में ही सुनें।

अरुणाचल प्रदेश में ठेके आवंटन का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से मांगी नई स्टेटस रिपोर्ट



ईटानगर, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से कहा कि वह अरुणाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री पेमा खांडू के परिचालन के सदस्यों से संबंधित या जुड़े हुए फर्मों को ठेके के पक्षपाती आवंटन के आरोपों की प्रारंभिक जांच पर एक ताजा स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करे। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने पीठ को सोमवार को बताया कि उसने सीबीआई को आवश्यक रिकॉर्ड और दस्तावेज प्रदान करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश का पालन किया है। पिछले महीने शीर्ष अदालत में प्रस्तुत की गई स्थिति रिपोर्ट में सीबीआई ने आरोप लगाया था कि राज्य अदालत द्वारा निर्देशित रिकार्ड प्रदान करने में सहयोग नहीं कर रहा है। अरुणाचल प्रदेश के लिए उपस्थित सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा, फ्रमूझे (राज्य) रिकार्ड पर तथ्य रखने के लिए एक सहाह की आवश्यकता होगी।फ न उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के तीन अगस्त के आदेश के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव (गृह) अदालत में उपस्थित थे। मेहता ने कहा, हम अदालत को संतुष्ट कर पाएंगे कि वे (निर्देश), अक्षर और भावना में पालन किए गए हैं। राज्य ने जांच एजेंसी को सभी दस्तावेज दिए हैं। पीठ ने कहा कि वह राज्य को अपने रुख को रिकॉर्ड पर रखने के लिए दो सप्ताह का समय देगी। जब पीठ को बताया गया कि विभिन्न दस्तावेज एजेंसी को सौंप दिए गए हैं, तो उसने सीबीआई से पुष्टि करने को कहा कि क्या उन्हें प्राप्त हुए हैं। छह अडल को सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई को राज्य में ठेके के पक्षपाती आवंटन के आरोपों की प्रारंभिक जांच दो सप्ताह के भीतर दर्ज करने का निर्देश दिया था। सोमवार की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एनजीओ के लिए उपस्थित अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने पूछा कि क्या सीबीआई की प्रारंभिक जांच के दौरान एकत्रित सामग्री नियमित मामलों के लिए पर्याप्त नहीं थी। पीठ ने कहा कि इस मुद्दे की जांच सीबीआई को करनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे से संबंधित एक अलग याचिका सुनने पर भी सहमति व्यक्त की और मेहता से निर्देश लेने और आवश्यक होने पर एक प्रतिवाद हलफनामा दाखिल करने को कहा।

कर्नाटक एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट से 1 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम कटे, फाइनल लिस्ट में कैसे जुड़वाएं नाम

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट सोमवार, 24 अगस्त को जारी कर दी गई। इस लिस्ट के मुताबिक वोटर लिस्ट से 1.07 करोड़ लोगों के नाम हटाए गए हैं, जिससे राज्य में वोटरों की संख्या घटकर 4.46 करोड़ रह गई है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटाए गए ज्यादातर नामों को लेकर बताया गया है कि ये लोग या तो अनुपस्थित मिले या वे दूसरी जगह चले गए। इसके साथ ही कुछ लोगों को डुब्लिकेट, मृत और अन्य कैटेगरी में रखा गया।

कर्नाटक में महिला वोटरों की संख्या ज्यादा: कर्नाटक की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के आंकड़ों के बारे में बताते हुए राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी बी. अबु कुमार ने कहा कि वोटरों में 2.22 करोड़ पुरुष, 2.24 करोड़ महिलाएं और 2,871 अन्य शामिल हैं।

नाम कटने के बाद भी जुड़ सकते हैं नाम: मुख्य चुनाव अधिकारी बी. अबु कुमार ने कहा कि जिन इलाकों में स्पष्ट



की संख्या ज्यादा है, वहां एक खास अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में वोटरों को फॉर्म 6 (नाम जुड़वाने के लिए) भरने में मदद की जाएगी। अभियान की तारीखों का एलान श्रद्धा आँफिस की तरफ से अभी नहीं किया गया है। चुनाव अधिकारी ने बताया, 43.81 लाख लोगों को नोटिस भेजे जाएंगे। ये नोटिस उन लोगों को भेजे जाएंगे, जिनके फॉर्म में लॉजिकल गड़बड़ियां थीं या जिनकी मैपिंग नहीं हो पाई। चुनाव पंजीकरण अधिकारी को शक होता है कि कोई वोटर अयोग्य है, तो भी नोटिस जारी किया जा सकता है। गिनती का काम पूरा होने के बाद,

वोटरों को वही समस्याएं हो सकती हैं जो लिस्ट के समय हुई थीं। जैसे गिनती का काम खत्म होने से 12 दिन पहले तक लोगों को पता नहीं था कि उनके नाम लिस्ट में हैं, वैसे ही अब उन्हें यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि उन्हें नोटिस मिलेगा या नहीं, जब तक कि नोटिस असल में भेजा न जाए।

सुनवाई के दौरान वोटर का उपस्थित होना जरूरी

हमारे पास सिर्फ यह आंकड़ा है कि कितने लोगों को नोटिस मिलेगा, और नोटिस बनने तक नाम पता नहीं चलेंगे। हालांकि, पूरी प्रक्रिया द्वारा नोटिस बनाने से लेकर उसे भेजने तक सिर्फ सात दिनों में पूरी होनी है। वोटरों के लिए यह एक बड़ी बाधा बन सकती है, खासकर उन वोटरों के लिए जो दूसरे जिले या शहर में रहते हैं, लेकिन अपने मूल निर्वाचन क्षेत्र में रजिस्टर्ड हैं, क्योंकि वोटर को सुनवाई में खुद शामिल होना होगा। देखा जाए तो इस प्रक्रिया में अब अपना वोट बनाने की पूरी जिम्मेदारी वोटर पर डाल दी गई है। गिनती के चरण के उलट, जब बूथ लेवल ऑफिसर्स को वोटर्स को गिनती वाले फॉर्म देने का निर्देश दिया गया था और 18 साल से ज्यादा उम्र का परिवार का कोई सदस्य वोटर की तरफ से उन्हें भर सकता था, इस चरण में उस पर पर मौजूद किसी भी व्यक्ति को नोटिस दे सकते हैं। नोटिस में 11 डॉक्यूमेंट्स में से कोई एक ऑनलाइन जमा करने के लिए क्लिकोड भी होगा, लेकिन सुनवाई के लिए सिर्फ वोटर को ही आना होगा।

टपकेश्वर महादेव शोभायात्रा के कारण आज रहेगा रूट डायवर्ट, देहरादून पुलिस ने जारी किया ट्रैफिक प्लान



देहरादून, एजेंसी। बुधवार को राजधानी में दो शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसे लेकर सुबह आठ बजे से रात तक रूट डायवर्ट रहेगा। सुबह के समय बारावफात शोभायात्रा तो वहीं भगवान टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए पुलिस ने यातायात प्लान जारी कर दिया है। यातायात प्लान सुबह आठ बजे से शुरू होकर रात में टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा के सम्पन्न होने तक लागू रहेगा। टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा के शिवाजी धर्मशाला से शुरू होने पर निरंजनपुर मंडी, लालपुल और मातावाला बाग कट से सहारनपुर चौक की ओर आने वाले यातायात को जीएमएस रोड की ओर भेजा जाएगा। इसके साथ ही ही प्रिंस चौक, रेलवे स्टेशन से आने वाले यातायात को रोक-रोक कर भेजा जाएगा। टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा के लिए सुबह से रात तक रहेगा डायवर्जन शोभायात्रा के सहारनपुर चौक पर पहुंचने से पहले बख्खीवाला से आने वाले वाहनों को कमला पैलेस की ओर व लक्ष्मण चौक से पार्क रोड की ओर भेजा जाएगा। घंटाघर से चकराता रोड जाने वाले यातायात को दिलाराम चौक की ओर से भेजा जाएगा। इसके साथ ही बल्लूपुर की ओर से आने वाले यातायात को बल्लूपुर से किशननगर चौक, बिंदाल चौकी कट से दिलाराम चौक की ओर भेजा जाएगा।

घंटाघर, चकराता रोड की ओर नहीं जाएंगे भारी वाहन: शोभायात्रा के पोस्ट ऑफिस पहुंचने पर वाटिका तिराह से आने वाला यातायात आकाशगंगा तिराहा होते हुए पोस्ट अफिस की ओर भेजा जाएगा। शोभायात्रा का पिछला हिस्सा डाकरोड पास करने पर यातायात सामान्य किया जाएगा। लाल पुल, बख्खीवाला चौक, मातावाला बाग तिराहा, बल्लूपुर चौक, कोलागढ चौक, दर्शनलाल चौक, प्रिंस चौक, घंटाघर।

इन मार्गों से निकलेगी शोभायात्रा: टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा शिवाजी धर्मशाला से शुरू होकर सहारनपुर चौक, झंडा बाजार, पलटन बाजार, घंटाघर, बिंदाल, कैंट चौर, डाकरोड बाजार, गढ़ी कैंट चौक होते हुए टपकेश्वर मंदिर पहुंचकर सम्पन्न होगी।

प्रिंस चौक, तहसील चौक ओर से भी रहेगी दिक्कत: बुधवार को सुबह आठ बजे शुरू होने वाली बारावफात की शोभायात्रा के साथ यातायात भी चलेगा। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस पटेलनगर मंडी, लालपुल, बख्खीवाला चौक और सहारनपुर चौक से यातायात को डायवर्ट करेगी। प्रिंस चौक से द्रोण कट जाने वाला यातायात को आंशिक रूप से चंदननगर कट होते हुए दून चौक की ओर भेजा जाएगा। तहसील चौक से प्रिंस चौक जाने वाले यातायात को रोक-रोक कर छोड़ा जाएगा। शोभायात्रा के दून चौक पहुंचने पर तहसील चौक से दून चौक जाने वाले यातायात को प्रिंस चौक की ओर भेजा जाएगा।

ट्रंप का बड़ा खुलासा: दो हफ्ते में अमेरिका आएंगे शी जिनपिंग



व्हाइट हाउस में बन रहा ‘चीन जैसा’ ग्रेट हॉल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को खुलासा किया है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग करीब दो हफ्ते में अमेरिका आएंगे। ट्रंप ने यह घोषणा व्हाइट हाउस के पास निर्माणाधीन नए बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स का जिक्र करते हुए की। उन्होंने परियोजना की तुलना चीन के ‘ग्रेट हॉल’ से की और साथ ही नए हेलीपोर्ट की भी वर्र्णों से लंबित जरूरत बताया। हालांकि, शी की यात्रा को लेकर अभी चीन या व्हाइट हाउस की ओर से आधिकारिक कार्यक्रम और अन्य विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। ट्रंप ने यह जानकारी व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित ‘बैक-टू-स्कूल’

कार्यक्रम की शुरुआत के दौरान दी। हालांकि, उन्होंने शी जिनपिंग के साथ कार्यक्रम और यात्रा से जुड़ी अन्य जानकारीयां साझा नहीं कीं। ट्रंप ने कहा, राष्ट्रपति शी दो हफ्ते में आ रहे हैं। मैं दो महीने पहले चीन गया था और हमने चीन का ‘ग्रेट हॉल’ देखा था। अब अमेरिका में भी हमारा अपना ‘ग्रेट हॉल’ होगा। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है, बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है। व्हाइट हाउस परिसर में बन रहा बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स ट्रंप ने व्हाइट हाउस परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों से इस प्रस्तावित कॉम्प्लेक्स को जोड़ते हुए बताया कि परियोजना में एक भव्य बॉलरूम के साथ-साथ एक मिलिट्री कॉम्प्लेक्स भी शामिल होगा। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, हम वहां एक मिलिट्री कॉम्प्लेक्स और एक बॉलरूम बना रहे

हैं। जो दुनिया में अपनी तरह का सबसे बेहतरीन होगा। शिक्षा पर अपनी बात रखने के बाद राष्ट्रपति एक बार फिर निर्माण कार्य की चर्चा पर लौट आए। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद छात्रों और उनके परिवारों को अपने साथ निर्माण स्थल देखने के लिए आमंत्रित किया।

बच्चों को निर्माण स्थल दिखाने के लिए उत्साहित दिखे ट्रंप: ट्रंप ने कहा, आप ठीक बगल में व्हाइट हाउस के पास बन रही शानदार इमारत देखेंगे। वही बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स होगा। यह अद्भुत है। उन्होंने बताया कि प्रशासन व्हाइट हाउस में एक नया हेलीपोर्ट भी बना रहा है। ट्रंप के मुताबिक, पहले हेलीकॉप्टरों को घास पर उतरना पड़ता था, जिससे गीले मौसम में परेशानी और सुरक्षा संबंधी जोखिम पैदा होते थे।

‘गीली घास पर हेलीकॉप्टर उतारना खतरनाक था’: ट्रंप ने कहा, हम एक सुंदर हेलीपोर्ट बना रहे हैं, जिसकी मांग कई वर्षों से की जा रही थी। हेलीकॉप्टर को गीली घास पर उतरना पड़ता था, जो खराब और खतरनाक था।%रोज गार्डन में जुटे बच्चों को निर्माण कार्य दिखाने को लेकर ट्रंप खासे उत्साहित नजर आए।

हेगसेथ बोले- जरूरत पड़ी तो ईरान पर मिसाइल से हमला, सख्ती पर इस्ाइली पीएम नेतन्याहू क्या बोले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ आर्थिक और सैन्य दबाव को एक साथ तेज कर दिया है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने होर्मुज जलडमरूमध्य समेत ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखा है, जबकि ट्रेजरी सेक्रटरी स्कॉट बेसेंट ने ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट के जरिए ईरान के तेल, वित्तीय नेटवर्क और प्रतिबंधों से बचने वाले तंत्र को निशाना बनाने की घोषणा की है। दूसरी ओर, ईरान ने संकट से निपटने का भरोसा जताया है और इस्ाइल ने अमेरिकी कदमों का समर्थन किया है। इससे तेहरान पर आर्थिक दबाव के साथ संभावित सैन्य टकराव का जोखिम भी बढ़ गया है। ऐसे में अमेरिका की रणनीति साफ तौर पर दो मोर्चों पर आगे बढ़ती दिखाई दे रही है एक तरफ आर्थिक घेराबंदी और दूसरी तरफ सैन्य कार्रवाई का खुला विकल्प।



होर्मुज में भी सैन्य कार्रवाई से इनकार नहीं: विस्कोन्सिन के ओशकोश दौरे के दौरान हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य बल के इस्तेमाल की संभावना को बिल्कुल खत्म नहीं कर रहा है। उनसे जब पूछा गया कि क्या फिलहाल सैन्य हमलों का विकल्प रोक दिया गया है, तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसा नहीं है। हेगसेथ के मुताबिक, अगर ईरान अमेरिकी सेना से टकराता है या ऐसी कार्रवाई करता है जिसे वाशिंगटन सीमा पार करना मानता है, तो अमेरिका जरूरी कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि

फिलहाल आर्थिक दबाव ईरान को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर होर्मुज जलडमरूमध्य या ईरान के आसपास किसी भी इलाके में सैन्य कार्रवाई की जा सकती है।

अमेरिका का दावा-होर्मुज पर मजबूत पकड़: हेगसेथ ने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और वहां से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा करने की क्षमता रखती है। उनके अनुसार, ईरान की अर्थव्यवस्था लगातार दबाव में है और तेहरान यह भी समझता है कि जलडमरूमध्य में अमेरिकी सैन्य क्षमता उसके मुकाबले काफी मजबूत है। उन्होंने कहा कि ईरान के पास इस क्षेत्र से व्यापार और तेल की आवाजाही को प्रभावित करने की कुछ क्षमता जरूर है, लेकिन अमेरिका के पास समुद्री

मार्ग को सुरक्षित रखने की बेहतर क्षमता मौजूद है। उनका दावा है कि इसी वजह से तेल का प्रवाह जारी रखा

जा सकता है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ईरान के दबाव को सीमित किया जा सकता है।

ईरानी नौसेना और मिसाइल क्षमता को नुकसान का दावा

हेगसेथ ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को लेकर भी बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई से ईरान की नौसेना, रडार और मिसाइल प्रणालियों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि ईरान के पास अब भी कुछ सैन्य क्षमताएं मौजूद हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री के मुताबिक, ईरान की मौजूदा सैन्य क्षमता पहले जैसी नहीं रह गई है। इसी आधार पर वाशिंगटन का मानना है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है और तेल की अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति को जारी रख सकता है।

आर्थिक दबाव के साथ परमाणु वार्ता का लक्ष्य: हेगसेथ ने कहा कि लगातार बढ़ता आर्थिक दबाव ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर बातचीती की मेज पर लौटने के लिए मजबूर कर सकता है। अमेरिकी रणनीति का मकसद तेहरान की आर्थिक क्षमता को इतना कमजोर करना है कि उसके सामने बातचीती के अलावा विकल्प सीमित रह जाएं। उन्होंने कहा कि आर्थिक दबाव और सैन्य विकल्प दोनों एक-दूसरे के समानांतर चल रहे हैं। वाशिंगटन फिलहाल आर्थिक हथियारों को प्राथमिकता दे रहा है, लेकिन परिस्थितियां बिगड़ने पर सैन्य कार्रवाई की संभावना खुली रखी गई है।

अतिवृष्टि प्रभावित ग्रामों में पहुंचे कलेक्टर, नुकसान का लिया जायजा, नियमानुसार राहत प्रकरण तैयार कर प्रभावितों को लाभ दिलाने के दिए निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में लगातार हुई अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति तथा वर्षा से हुए नुकसान का जायजा लेने कलेक्टर विकास मिश्रा ने मंगलवार को विभिन्न ग्रामों का भ्रमण किया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से सीधे चर्चा कर उनकी समस्याएं एवं वर्षा से हुई क्षति की जानकारी ली। कलेक्टर ने



अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित लोगों को शासन के प्रावधानों के अनुसार समय पर राहत उपलब्ध कराई जाए

कलेक्टर ने उपखंड गोपद बनास के ग्राम बिसुनी टोला तथा उपखंड चुरहट के ग्राम पड़खुरी-586, डडिया एवं टकटैया का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर वर्षा से हुई क्षति का मौके पर जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों से क्षेत्र में हुए नुकसान की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अतिवृष्टि से हुई क्षति का नियमानुसार सर्वे एवं आकलन कराते हुए पात्र प्रभावितों के राहत प्रकरण तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को शासन के प्रावधानों के तहत सहायता प्राप्त करने की पात्रता है, उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। राहत प्रकरण तैयार करने और सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों की

समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना जाए जहां तत्काल सहायता की आवश्यकता हो। वहां स्थानीय प्रशासन के माध्यम से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए। कलेक्टर ने नुकसान के सर्वेक्षण में पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी पात्र प्रभावित व्यक्ति का प्रकरण छूटना नहीं चाहिए। अधिकारियों को स्थानीय स्तर पर आवश्यक समन्वय बनाए रखते हुए राहत एवं सहायता से जुड़े कार्यों को तत्परता से पूरा करने के निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए और मौसम की स्थिति को देखते हुए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। ग्रामीणों को किसी प्रकार की समस्या होने पर प्रशासन को तत्काल सूचना देने के लिए भी

कहा गया। इसी क्रम में अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने भी जिले के कुसमी एवं मझौली क्षेत्र के अतिवृष्टि प्रभावित ग्रामों का भ्रमण किया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर वर्षा से हुए नुकसान और राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से प्रभावित परिवारों को उपलब्ध कराई जा रही सहायता की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर निगरानी रखते हुए क्षति का त्वरित एवं नियमानुसार आकलन किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि जहां जनहानि, पशुहानि, मकान, फसल अथवा अन्य प्रकार की क्षति हुई है, वहां संबंधित विभाग तत्काल आवश्यक कार्रवाई करें और नियमानुसार राहत प्रकरण तैयार कराएं।

शहडोल में धान की 100' सरकारी खरीद की मांग, किसानों ने किया प्रदर्शन



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। खरीफ सीजन में धान खरीदी की व्यवस्था को लेकर किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है। मंगलवार को भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों और किसानों ने प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। किसानों ने धान की 100 प्रतिशत सरकारी खरीद सुनिश्चित करने की मांग की है। संघ ने प्रस्तावित भावित योजना के तहत केवल 40 प्रतिशत धान की खरीद किए जाने की चर्चा पर आपत्ति जताते हुए पूरी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने की मांग की। किसान संघ का कहना है कि धान की फसल तैयार करने में किसानों को सिंचाई, खाद, बीज और अन्य कृषि कार्यों पर बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती है। यदि सरकार केवल 40 प्रतिशत उपज की खरीदी करती है और शेष धान

किसानों को खुले बाजार में बेचना पड़ता है तो बाजार भाव कम होने की स्थिति में किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। संघ ने सरकार से पूरी उपज की सरकारी खरीदी सुनिश्चित करने की मांग की ताकि किसानों को उनकी लागत का उचित मूल्य मिल सके। **जन विश्वास कार्यक्रम के स्थल परिवर्तन पर सवाल:** जापान में किसान संघ ने मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम के तहत ग्राम गोखड़ और करी में अंतिम समय पर किए गए स्थल परिवर्तन पर भी सवाल उठाए। संघ का आरोप है कि कार्यक्रम स्थल बदलने की जानकारी समय पर नहीं मिलने से ग्रामीणों और किसानों में भ्रम की स्थिति बनी। किसान संघ ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवा ज़िम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

जनसुनवाई में 250 से अधिक आवेदकों की सुनी गई समस्याएं, कलेक्टर ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आमजन की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान को प्राथमिकता देते हुए जिला पंचायत सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 250 से अधिक आवेदकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं, शिकायतें और मांगें सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से परीक्षण कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने

के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई प्रशासन और आमजन के बीच सीधे संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ विचार किया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार वास्तविक राहत उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में पारदर्शिता और गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में

तत्काल समाधान संभव है, उनमें अनावश्यक प्रक्रियाओं के कारण विलंब नहीं होना चाहिए। ऐसे प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई कर आवेदक को राहत उपलब्ध कराई जाए। वहीं जिन मामलों में जांच अथवा अन्य विभागों से समन्वय की आवश्यकता है, उनमें संबंधित अधिकारी निर्धारित समय-सीमा में जांच पूरी कर स्पष्ट एवं तथ्यात्मक प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिए कि आवेदकों को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। आवेदन के निराकरण की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी गंभीरता से निभाएं और कार्रवाई की प्रगति की जानकारी भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल आवेदन प्राप्त करना



नहीं बल्कि पात्र लोगों की समस्याओं का स्थायी और संतोषजनक समाधान करना है। जनसुनवाई के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विभिन्न प्रकरणों में की गई कार्रवाई की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों ने आवेदकों से प्रकरण से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त की और नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी गोपद बनास सु प्रिया पाठक, अपरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में 71 आवेदन प्राप्त, त्वरित निराकरण के निर्देश



मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर बिडिया मुखर्जी के निर्देशन में अपर कलेक्टर सु संजना जैन ने जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों से कुल 71

आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर संजना जैन ने एक-एक कर आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्वक एवं निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए और पात्र आवेदकों को नियमानुसार राहत

उपलब्ध कराई जाए। जनसुनवाई के दौरान अमरपाटन तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत इटमा खखुरी के किसानों ने खाद एवं बीज की समस्या को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। किसानों ने आवश्यक कृषि सामग्री उपलब्ध कराने से संबंधित अपनी समस्याओं से अपर कलेक्टर को अवगत कराया। मामले में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार मैहर तहसील अंतर्गत ग्राम धतूरा निवासी एक किसान ने अपनी पुस्तैनी जमीन पर स्थानीय व्यक्ति द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा कर मकान निर्माण किए जाने की शिकायत की। आवेदक ने निर्माण कार्य पर रोक लगाने, मामले की जांच कराने तथा अवैध कब्जा हटाने की मांग की। अपर कलेक्टर ने

संबंधित अधिकारियों को प्रकरण की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्राप्त अन्य आवेदनों पर भी अपर कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से जानकारी लेते हुए प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न हो और कार्रवाई की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। जनसुनवाई के दौरान एसडीएम, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने आवेदकों से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर उनके प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जश्न-ए-आजादी में सजा प्रतिभाओं का महाकुंभ, रीवा में हुआ भव्य ओपन माइक आयोजन, देशभर से पहुंचे कलाकारों ने दी शानदार प्रस्तुतियां, उभरती प्रतिभाओं को मिला राष्ट्रीय मंच

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के लाल बलदेव सिंह ऑडिटोरियम, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय परिसर में 23 अगस्त को अल्फाज हब के तत्वावधान में 'जश्न-ए-आजादी-भारत का सबसे बड़ा ओपन माइक' आयोजित किया गया कार्यक्रम में मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न शहरों से पहुंचे कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। आयोजन का उद्देश्य उभरती प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का अवसर देना रहा। कार्यक्रम में रीवा के अलावा इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, कटनी, सतना, सीधी, सिंगरौली और मऊजग सहित मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों से कलाकार पहुंचे। वहीं रायपुर, बिलासपुर, कामपुर, लखनऊ और प्रयागराज सहित अन्य शहरों के कलाकारों ने भी सहाभागिता की अलग-अलग विधाओं से जुड़े कलाकारों ने कला, साहित्य,

संगीत और अभिव्यक्ति के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक एवं लेखक जयराम शुक्लराहे, जबकि अध्यक्षता बाल साहित्यकार एवं राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित डॉ. विनय तिवारिने की वरिष्ठ जन रामाधार तिवारी, रामनिरंजन मिश्रा, अभय वर्मा, सुरेंद्र शर्मा और प्रसिद्ध गायिका गुंजन शुक्ला की विशिष्ट उपस्थिति रही। समाजसेवी अविजय एवं देवाशीष अवस्थी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन आर्कूति तिवारी, परिधि पाण्डेय और सत्यम शुक्ला ने किया। प्रभावी संचालन से कार्यक्रम में कलाकारों और दर्शकों के बीच बेहतर संवाद बना रहा। इस दौरान रीवा के उभरते इंफ्लुएंसर उत्कर्ष मिश्रा एवं प्रांशित तिवारी को अल्फाज हब टीम द्वारा सम्मानित किया गया। अल्फाज हब के डायरेक्टर ऋतुविज तिवारी ने कहा कि संस्था का उद्देश्य नए और उभरते कलाकारों को ऐसा मंच देना है, जहां वे



बिना किसी भेदभाव के अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें। उन्होंने कहा कि संस्था भविष्य में भी प्रतिभाओं को बड़े मंच से जोड़ने के प्रयास जारी रखेगी। इवेंट हेड अनुराग सोनी ने कहा कि देश के विभिन्न शहरों से कलाकारों का रीवा पहुंचना आयोजन की व्यापकता को दर्शाता है। ऐसे आयोजनों से रीवा की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिलेगी और कलाकारों को एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

ओम विश्वकर्मा विकास परिषद एवं भगवान विश्वकर्मा मंदिर समिति की संयुक्त बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ओम विश्वकर्मा विकास परिषद एवं भगवान विश्वकर्मा मंदिर समिति की संयुक्त तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश संगठन मंत्री द्वारिका प्रसाद विश्वकर्मा ने की। बैठक में आगामी कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल हागे विशिष्ट अतिथि के रूप में विंध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पंचूलाल प्रजापति, राममिलन विश्वकर्मा बाबूजी, संस्थापक ओम विश्वकर्मा विकास परिषद तथा अन्य विश्वकर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदिर समिति के अध्यक्ष रामबहोर

विश्वकर्मा करेंगे। बैठक में जानकारी देते हुए मनोज विश्वकर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे भगवान विश्वकर्मा की पूजा एवं हवन से होगी। दोपहर 12 बजे भगवान विश्वकर्मा मंदिर से शोभायात्रा एवं बाइक रैली निकाली जाएगी। रैली जय स्तंभ चौक, कॉलेज चौराहा, सिरमौर चौराहा, अमहिया मार्ग, कला मंदिर, साइन मंदिर एवं नगर निगम होते हुए वापस मंदिर पहुंचकर समाप्त होगी। इसके बाद मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का आगमन और उद्बोधन होगा। कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान, विशाल भंडारा, श्याम भजन एवं आरती का आयोजन किया जाएगा। बैठक में आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

महिला श्रमिकों को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना एवं मिशन शक्ति हब फॉर एम्पावरमेंट की दी गई जानकारी



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। महिलाओं एवं महिला श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, उनके अधिकारों और शासन की महिला सशक्तिकरण योजनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से वन

स्टॉप सेंटर, सीधी द्वारा मानस भवन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कलेक्टर विकास मिश्रा के निदेशन, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश मिश्रा के मार्गदर्शन तथा वन स्टॉप सेंटर

प्रशासक मती सरोज खरे के नेतृत्व में संपन्न हुआ कार्यक्रम में महिला श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के साथ-साथ महिलाओं की सुरक्षा, अधिकार और सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान श्रम अधिकारी सु आर्कक्षा पाठक ने महिला श्रमिकों को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने योजना के प्रावधानों, पात्रता, पंजीयन की प्रक्रिया तथा योजना से मिलने वाले लाभों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अस्मंछित क्षेत्र में कार्य करने वाले पात्र श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से यह योजना महत्वपूर्ण है। महिलाओं को योजना का लाभ लेने के लिए पात्रता की जांच कर नियमानुसार पंजीयन करने के लिए प्रेरित किया गया। सु

पाठक ने महिला श्रमिकों को श्रम कानूनों और उनके अधिकारों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए कहा कि पात्र महिलाओं को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज और निर्धारित



प्रक्रिया की जानकारी रखना चाहिए। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित विभाग से संपर्क करें। कार्यक्रम में केस वर्कर अर्शणिमा पाठक ने वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से महिलाओं को उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न सेवाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या संकट की स्थिति में महिलाएं वन स्टॉप सेंटर से सहायता प्राप्त कर सकती हैं। वेन्द्र के माध्यम से महिलाओं को कानूनी सहायता, परामर्श, अस्थायी आश्रय, चिकित्सा सहायता सहित अन्य आवश्यक सहयोगात्मक सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने महिलाओं से आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का उपयोग करने का आग्रह किया।

इसी क्रम में सु पुष्पलता शर्मा ने मिशन शक्ति हब फॉर एम्पावरमेंट के उद्देश्य और महिलाओं के सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं को सरकारी योजनाओं और सहायता सेवाओं से जोड़ना, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी देना महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की भी जानकारी दी और आपात स्थिति में इनके उपयोग के बारे में बताया। महिलाओं को समझाया गया कि किसी भी संकट की स्थिति में समय पर सहायता प्राप्त करने के लिए उपलब्ध सरकारी सहायता तंत्र की जानकारी होना जरूरी है।

निरंकुश साइबर ठग

साइबर धोखाधड़ी में लिस दो लोगों की मुबई से गिरफ्तारी के बाद जिस तरह यह उजागर हुआ कि उनकी ओर से ठगी गई रकम सैकड़ों करोड़ों रुपये हो सकती है, वह इसका सूचक है कि डिजिटल अरेस्ट, निवेश के लालच और अन्य तरीकों से साइबर धोखाधड़ी करने वाले कितने अधिक बेलगाम हो गए हैं। ईडी की ओर से गिरफ्तार किए गए इन लोगों पर मनी लांड्रिंग के तहत भी मुकदमा चलाया जाएगा, क्योंकि वे धोखाधड़ी से हासिल धनराशि

को विदेशी मुद्रा में बदलकर विदेश भेज देते थे। इस नेटवर्क की व्यापकता का पता इससे चलता है कि यह 20 राज्यों में फैला था और इसे चार सौ खातों के जरिये संचालित किया जा रहा था। इस गिरोह के शिकार लोगों की संख्या सैकड़ों में है। इसका मतलब है कि साइबर धोखाधड़ी का काम एक तरह से एक उद्यम की तरह चलाया जा रहा था। यह संगठित अपराधियों की ओर से की जाने वाली आनलाइन डकैती ही है। हैरानी नहीं कि देश में साइबर धोखाधड़ी

मामलों में धोखाधड़ी करके हड़पी गई राशि पीड़ित व्यक्तियों को मिल पाती है। साइबर

ठगों तक पुलिस की मुश्किल से पहुंच का एक कारण यह है कि वे दूरदराज से और कई बार तो विदेश में बैठकर ठगी करते हैं। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों का संज्ञान सुप्रीम कोर्ट भी ले चुका है और वह कुछ मामलों की जांच सीबीआइ को भी सौंप चुका है, लेकिन यह

कहना कठिन है कि साइबर अपराधियों पर कोई प्रभावी लगाम लग पा रही है। वे नए-नए तरीकों से ठगी करने में सफल हैं। इसका प्रमाण यह भी है कि साइबर ठगी के जरिये लोगों से हड़पी गई राशि बढ़ती ही जा रही है। वैसे तो बैंकों में जमा धन की हेराफेरी पहले भी होती थी, लेकिन इसके मामले बहुत कम होते थे और अधिकतर मामलों में धोखाधड़ी करने वाले पकड़े जाते थे, लेकिन साइबर अपराधी बिल्कुल निरंकुश दिख रहे हैं। यह मानने के अच्छे-

भले कारण हैं कि साइबर ठग पुलिस से दो कदम आगे हैं। एक ऐसे समय जब आनलाइन बैंकिंग और डिजिटल लेनदेन का चलन बढ़ता जा रहा है, तब साइबर ठगी पर प्रभावी अंकुश न लग पाना गंभीर चिंता की बात है। सरकार को इस पर गंभीरता से ध्यान देना होगा कि साइबर अपराधों की खानबीन करने वाली पुलिस और अन्य एजेंसियां तकनीकी कौशल में कहीं अधिक समर्थ बनें। अभी वे डाल-डाल हैं तो साइबर ठग पात-

स्वावलंबन और स्वदेशी आंदोलन ही मंदी से लड़ेंगा

डॉ. दीपेंद्र चाहर

आज देश एक अजीब स्थिति में है। विश्व बैंक, आईएमएफ, आरबीआई सब कह रहे हैं भारत दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था है, पर साथ ही कह रहे हैं हमारी ग्रोथ 7.7% से घटकर 6.6% हो जाएगी। तेल 115 डॉलर, रुपया कमजोर, महंगाई 5% के पार। सवाल है कि इस मंदी जैसी धीमी ग्रोथ से कौन लड़ेंगा? सरकार? आरबीआई? विदेशी निवेशक? मेरा स्पष्ट मानना है कि इस लड़ाई का असली सिपाही न सरकार है, न बाजार। असली सिपाही है स्वावलंबी श्रमिक और स्वदेशी आंदोलन। यही भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की स्थापना से विचार है और यही आज की जरूरत है।

मंदी आती क्यों है? विदेशी निर्भरता से आज की मंदी किसी एक कारण से नहीं आई। अमेरिका में टैरिफ वॉर, मिडिल ईस्ट में युद्ध, तेल महंगा। हम 88% तेल बाहर से लाते हैं, 80% इलेक्ट्रॉनिक सामान बाहर से। मतलब हमारी अर्थव्यवस्था की नक़्क़ बाहर के हाथ में है। जब बाहर छींक आती है, हमें बुखार आता है। इसका एक ही इलाज है- बाहर पर निर्भरता घटाओ। इसी को स्वदेशी कहते हैं। स्वदेशी का अर्थ विदेशी भूगर्भओ नहीं है। स्वदेशी का अर्थ है- अपनी वस्तु के प्रति आग्रह। दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने हमें सिखाया था- स्वदेशी कोई आर्थिक नारा नहीं, राष्ट्र के स्वाभिमान का मंत्र है।

स्वदेशी कैसे मंदी रोकता है? एक सीधा गणित आप 1000 रुपये की विदेशी शर्ट खरीदते हैं। इसमें से 700 रुपये डॉलर में बाहर चला जाता है, 300 रुपये दुकानदार को बचता है। नौकरी बाहर बनी। वहीं 1000 रुपये की भारतीय शर्ट खरीदते हैं तो 1000 रुपया किसान से कपास, कताई मजदूर, बुनकर, दर्जी, दुकानदार में बंटता है। 5 परिवारों का चूल्हा जलता है। जीडीपी देश में बनती है।

आज सरकार इसलिए कह रही है- एक साल सोना खरीदना टालो, विदेश घूमना टालो। क्योंकि सोना और तेल में हमारा सबसे ज्यादा डॉलर बाहर जाता है। डॉलर बाहर जाएगा तो रुपया गिरगा, रुपया गिरगा तो तेल महंगा, तेल महंगा तो महंगाई बढ़ेगी और महंगाई की सबसे ज्यादा मार किस पर? श्रमिक पर। संगठित को डीए मिल जाता है, असंगठित, दिहाड़ी, गिग वर्कर को कौन देता है? इसलिए स्वदेशी खरीदना देशभक्ति के साथ-साथ आपके घर का बजट बचाना भी है।

Hot Mone4 नहीं,Cold Money चाहिए जो स्वावलंबन से आएगा रुपया क्यों गिर रहा है? क्योंकि शेयर मार्केट का ॥श्रृह् स्फुट्द4- विदेशी फंड आज पैसा लाया, कल युद्ध की खबर सुनकर भाग गया। इसे FPI कहते हैं। सरकार अब SBI के जरिए Indian Diaspora Bond लाने की सोच रही है। ह्त्र्हु से डॉलर में 5 साल के लिए उधार लेना। ये ट्प्रद्यक्ष स्फुट्द4 है, टिकाऊ पैसा। भारत 1998, 2000, 2013 में भी यही कर चुका है। पर मैं पूछता हूँ - बाहर के ह्त्र्हु से पहले क्या हम अपने घर के पैसों को स्वावलंबी बना सकते हैं? अगर दिल्ली का हर परिवार महीने का 1000 रुपया भी स्वदेशी सामान पर ज्यादा खर्च करे, विदेशी ब्रांड छोड़ दे तो एक साल में 12 हजार करोड़ रुपया दिल्ली में ही रहेगा। ये किसी डायसपोरा बॉन्ड से बड़ा बॉन्ड है। ये है- स्वदेशी बॉन्ड।

6.6% ग्रोथ में श्रमिक का क्या होगा? और स्वावलंबन उसका जवाब कैसे है? 7.7% ग्रोथ में 80 लाख नई नौकरी बनती है, 6.6% में 50 लाख। कंपनी परमानेंट भर्ती रोकेगी, ठेकेदारी बढ़ेगी। इन्क्रीमेंट 10% से 6% पर आएगा। ऐसे में श्रमिक के पास दो रास्ते हैं- नौकरी मांगते रहो या काम देने वाला बनो। भारतीय मजदूर संघ का नारा है- नौकरी मांगने वाला नहीं, काम देने वाला बनो। आज सरकार ने CGTMSE स्कीम की लिमिट 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ कर दी है। बिना मकान गिरवी रखे, सिर्फ हनर पर लोन। अगर हमारा ITI पास साथी वेल्डिंग, EV बैटरी, AC रिपयर, दो सिलाई मशीन का काम शुरू कर दे तो वो खुद 2 लोगों को रोजगार देगा। यही स्वावलंबन है। ECLGS कोरोना की इमरजेंसी दवा थी, CGTMSE रोज की विटामिन है।

ललित गर्ग

भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य-एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान मंद केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दर्शाता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईस्टूट एयरोस्पेस ने निजी क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉस्मॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना

जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर

भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएँ, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत



जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने, जल संसाधनों की पहचान, मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन, वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। बाढ़, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना

वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेंगे, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह

खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं। भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और प्रक्षेपण तक भारत ने लंबी दूरी तय की है। वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है तो भारत छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों और वैश्विक अंतरिक्ष सेवाओं के क्षेत्र में बड़ा बाजार हासिल कर सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ-साथ उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। दशकों की वैज्ञानिक साधना से अर्जित ज्ञान, प्रक्षेपण तकनीक,

उपग्रह निर्माण की क्षमता और मिशन प्रबंधन का अनुभव अब देश के नवोदित उद्यमों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बन सकता है। सरकारी संस्थान और निजी उद्यम यदि प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की संस्कृति विकसित करें तो भारत की अंतरिक्ष शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। सरकार का काम रास्ता खोलना है, वैज्ञानिक संस्थानों का काम ज्ञान और अनुभव उपलब्ध कराना है और निजी क्षेत्र का काम गति, नवाचार और बाजार की शक्ति को आगे बढ़ाना है। इन तीनों का समन्वय भारत को नई ऊंचाई दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान कि भारत ऐसा वातावरण बनाए जहां दुनिया भर के युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए यहां आने की सोचें, वास्तव में प्रतिभा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की नई आकांक्षा को व्यक्त करता है। यह केवल रॉकेटों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य नहीं है, यह भारत को अंतरिक्ष आधारित ज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने की कल्पना है। आने वाले समय में अंतरिक्ष में भारत की सफलता का मूल्यांकन केवल कितने उपग्रह भेजे गए या कितने रॉकेट छोड़े गए, इससे नहीं होगा। असली कसौटी यह होगी कि अंतरिक्ष तकनीक ने भारतीय किसान, विद्यार्थी, उद्यमी, सैनिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक के जीवन को कितना बेहतर बनाया। भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब उस मुकाम पर है जहां आकाश सीमा नहीं, बल्कि अवसर है। चंद्रयान-3 की चंद्र विजय से लेकर सूर्य की ओर आदित्य-एल1 की यात्रा, मंगलयान की ऐतिहासिक सफलता से लेकर मानव को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी और सरकारी संस्थानों से निकलकर निजी स्टार्टअप के प्रक्षेपण तक भारत ने लंबी दूरी तय की है। अब अगला अध्याय और अधिक महत्वाकां होना चाहिए। आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति की निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

विपक्ष का एकमात्र एजेंडा संसद ठप करना

हमारे राजनीतिक समुदाय के कुछ हिस्सों में लोकतांत्रिक चिंता के नाम पर अब एक अजीब तरीका अपनाया जा रहा है-संसद में बाधा डालना, प्रश्नकाल न होने देना, मंत्रियों की बात न सुनना, बहस के प्रस्तावों को ठुकराना और फिर लेख लिखकर अफसोस जताना कि संसद में बहस नहीं हो रही है। यह बहस वाले कमरे में आग लगाने और फिर धुएं पर शोक-गीत लिखने जैसा है। संसद बहस के लिए है, राजनीतिक ब्लैकमेल के लिए नहीं।

किरेन रिजिजू

आलोचकों ने मानसून सत्र के आंकड़ों का बार-बार जिक्र किया है। लोकसभा अपने निर्धारित समय की तुलना में 15 प्रतिशत और राज्यसभा 33 प्रतिशत ही चल पाई, लेकिन इन आंकड़ों को उनके कारणों से अलग नहीं किया जा सकता। सत्र के दौरान बार-बार बाधाएं आईं और कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी, कई बार लोकसभा की बैठक कुछ ही मिनटों तक चली और फिर उसे स्थगित करना पड़ा। विपक्ष की रणनीति पहले यह पक्का करना था कि संसद न चल पाए और फिर समय की बर्बादी को सरकार के खिलाफ सुबूत के तौर पर इस्तेमाल करना। संविधान विपक्ष को सरकार से सवाल पूछने, आलोचना करने, विरोध करने, संशोधन लाने और सरकार के खिलाफ वोट करने का पूरा अधिकार देता है, लेकिन यह विपक्ष को कोई ऐसा रिमोट कंट्रोल नहीं देता, जिससे वह संसद को बंद कर दे, यदि उसकी राजनीतिक मांगें स्वीकार नहीं की जाती हैं। सरकार ऐसा बिल्कुल नहीं करेगी कि लोगों से मिले जनादेश को उस विपक्ष के सामने समर्पित कर दे, जो संसद का कामकाज ठप करता है और फिर उसी ठप कामकाज को तानाशाही का सुबूत बताता है। लोकतंत्र विपक्ष को अपनी बात कहने का

मौका देता है, लेकिन बीटो का अधिकार नहीं देता। सरकार को लोगों से जनादेश सिर्फ सत्ता संचालने के लिए नहीं, बल्कि शासन चलाने के लिए मिला है। इस जनादेश के साथ संवैधानिक जिम्मेदारी भी जुड़ी है, जैसे कानून पेश करना, नीतियां लागू करना और यह सुनिश्चित करना कि देश का कामकाज चलता रहे। विपक्ष के मौजूदा अभियान के खोखलेपन को उसकी अपनी प्रतिक्रिया से बेहतर और कोई अन्य चीज उजागर नहीं करती।

जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध-प्रदर्शन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में विस्तृत चर्चा का प्रस्ताव रखा। उन्होंने दोपहर बाद तीन बजे से लेकर अगले दिन तीन बजे तक चर्चा का प्रस्ताव रखा और उठाए गए सवालों का जवाब देने का भी वादा किया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और कहा कि विपक्ष को गृह मंत्री अमित शाह के ‘भाषण’ (लेक्चर) में कोई दिलचस्पी नहीं है। विपक्ष संसद में पूरी चर्चा से इन्कार करने के बाद यह शिकायत नहीं कर सकता कि संसद की आवाज दबा दी गई। कोई जवाब की कैसे मांग कर सकता है, जब वह उस मंच को ही नकार दे, जिस पर जवाब दिए जाने हैं। जो नेता 24 घंटे की बहस से इन्कार करता है, उसे यह शिकायत करने का हक नहीं कि उसे बोलने के

लिए 24 मिनट नहीं दिए गए। राहुल गांधी के संसदीय रिकार्ड को देखें। 17वीं लोकसभा के दौरान उनकी उपस्थिति सिर्फ 51 प्रतिशत रही, उन्होंने 46.7 के राष्ट्रीय औसत के मुकाबले केवल आठ बहसों में हिस्सा लिया, 210 के औसत के मुकाबले केवल 99 सवाल पूछे और



कोई ‘निजी विधेयक’ पेश नहीं किया। फिर भी वे कहते हैं कि सरकार ने ‘लोकतंत्र को खत्म कर दिया है।’ वे यूक्रे, जर्मनी और अमेरिका जाते हैं और भारत में लोकतंत्र की कमी की शिकायत करते हैं, लेकिन उनमें संसद आकर जवाबदेही तय करने की हिम्मत नहीं है। सारी बहादुरी सिर्फ कैमरों और विदेशी दर्शकों के सामने ही दिखाई देती है।

जब ‘विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक’ को लेकर चिंताएं जताई गईं,

तो सरकार ने इसे संख्याबल पर पारित नहीं कराया। सरकार ने विधेयक पर विस्तार से चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। हैरानी की बात है कि ज्यादा जांच-पड़ताल की मांग करने के बाद विपक्ष के कुछ हिस्सों ने जेपीसी के पास भेजने का भी विरोध किया और मांग की कि विधेयक को पूरी तरह वापस ले लिया जाना चाहिए। इससे असली समस्या का पता चलता है। बहस को तब तक बकाव माना जाता है, जब तक मंत्री पहले से ही विपक्ष की बातों को स्वीकार न कर लें। यह बातचीत नहीं है। यह एक चेतावनी है।

लोकसभा में ‘सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक’ पर लगभग 11 घंटे तक बहस हुई, जिसमें 48 सांसदों ने हिस्सा लिया। राज्यसभा में इस पर सदस्यों ने भाग लिया। संशोधित कानून में सजा को सख्त किया गया, विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट और विशेष सरकारी वकील का प्रविधान किया गया, जांच और मुकदमों के लिए समयसीमा तय की गई और सरकार को परीक्षा में संगठित धोखाधड़ी के खिलाफ एक स्पेशल टास्क फोर्स बनाने का अधिकार दिया गया। यह ऐसा कानून नहीं था, जिसे ‘जबरदस्ती थोपा’ गया था।

संसद ने ठीक वैसे ही किया, जैसा उसे

करना चाहिए: जनता की चिंताओं को सदन में उठाना गया, सांसदों ने उस पर बहस की, सरकार ने जवाब दिया और कानूनी व्यवस्था मजबूत की गई।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया के क्रम पर गौर करें: एक विरोध प्रदर्शन हुआ, नागरिक समाज की चिंताओं को सुना गया, केंद्रीय मंत्रियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की, लिखित आश्वासन दिए, प्रधानमंत्री ने जवाब दिया, संसद में व्यापक बहस हुई तथा कानून को और मजबूत किया गया। बातचीत और जवाबदेही की इससे ज्यादा लोकतांत्रिक प्रक्रिया की कल्पना करना मुश्किल है। सरकार ने बातचीत करने से मना नहीं किया। संसद न तो सरकार की है और न ही विधेयक। यह भारत के लोगों की है। लोगों ने जो जनादेश दिया है, वह कोई सजावटी प्रमाणपत्र नहीं है, जिसे तब रद्द कर दिया जाए, जब विप पार्टियां बहस के बजाय हंगामा करने का विकल्प चुनती हैं। सदन के बाहर लगाए गए नारे, सदन के भीतर की तर्क-प्रस्तुति की जगह नहीं ले सकते। नुक्कड़ नाटक संसदीय जिम्मेदारी की जगह नहीं ले सकते। जो लोग बहस या वोट के जरिये सरकार को पराजित नहीं कर सकते, उन्हें शोर-शराबे के जरिये संसद को हटाने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

कलेक्टर संतन देवी जांगड़े का सख्त रुख: जनदर्शन केवल औपचारिकता नहीं, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

जनदर्शन में उमड़ी फरियादियों की भीड़, गंभीर शिकायतों पर कलेक्टर ने दिए जांच और त्वरित निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े ने आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों की जांच कर समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनदर्शन केवल औपचारिकता नहीं है प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को समय पर न्याय दिलाना सुनिश्चित करें लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनदर्शन शासन और आम जनता के बीच सीधे संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए



शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी जनदर्शन में मनेन्द्रगढ़ निवासी रमाशंकर गुप्ता ने मुक्तिधाम की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में कथित अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की शिकायत की। उन्होंने प्रकरण की ऑर्डर शीट में एक ही तारीख में अलग-अलग आदेश दर्ज होने का उल्लेख करते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की। कलेक्टर ने मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए मनेन्द्रगढ़ निवासी अरविंद वैश्य ने सोलार सिस्टम से

जुड़े मामले में बिलासपुर के वेंडर सोलार विंग्स एवं सोलर एनर्जी सॉल्यूशन के विरुद्ध धोखाधड़ी और राशि हड़पने का आरोप लगाते हुए शिकायत प्रस्तुत की। मामले की जांच के निर्देश दिए गए बुंदेली निवासी बंधू सिंह ने शिकायत की कि उन्होंने सहकारी समिति अथवा बैंक से खाद नहीं ली इसके बावजूद उनके बैंक खाते में खाद से संबंधित ऋण दर्ज है कलेक्टर ने संबंधित विभाग को प्रकरण की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए।

नागपुर निवासी शिव भजन ने हल्का पटवारी द्वारा भूमि का गलत सीमांकन किए जाने की शिकायत की उन्होंने मामले की जांच एवं दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जांच के निर्देश दिए ग्राम घुटरा के ग्रामीणों ने विद्युत कर्मचारी सुनील साहू पर बिजली संबंधी समस्याओं का निराकरण नहीं करने और उपभोक्ताओं से दुर्व्यवहार करने की शिकायत की तथा स्थानांतरण की मांग रखी। कलेक्टर ने शिकायत की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए अन्य आवेदनों पर भी त्वरित कार्रवाई के निर्देश जनदर्शन में भूलौर ग्राम पंचायत में बिना एनओसी निर्माणाधीन राइस मिल के निर्माण पर रोक लगाने की मांग की गई। वहीं लालपुर निवासी फूल बाई ने अत्यधिक बिजली बिल जारी होने की शिकायत करते हुए सुधार की मांग की केलहारी के शिव प्रताप

सिंह, लोहरी के विजय सिंह एवं मोहारी के सुखमन ने वन अधिकार पट्टा दिलाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया जबकि भूलौर निवासी कृष्ण कुमार ने छलपूर्वक बनाए गए पट्टे को निरस्त करने की मांग की विकास कार्यों से संबंधित आवेदनों में जिला पंचायत सदस्य खड्गवां ने शासकीय भूमि पर वृक्षारोपण तथा ग्राम पंचायत सैन्दा के मुख्य मार्ग से स्कूल तक 780 मीटर मुरुम सड़क निर्माण की स्वीकृति का आग्रह किया। वहीं बुंदेली सरपंच

हेमा ने शासकीय स्कूल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण की बकाया राशि जारी करने की मांग रखी कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन मामलों का निराकरण तत्काल संभव है उन्हें ऑन-द-स्पॉट निराकृत किया जाए साथ ही की गई कार्रवाई की जानकारी आवेदकों को भी उपलब्ध कराने कहा, ताकि उन्हें अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।



हेल्थ सेंटर पर लापरवाही, CHO-ANM को नोटिस मिलने पर 3 दिन में मांगा जवाब

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। स्वास्थ्य सेवाओं और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रिया-व्यवस्था में लापरवाही सामने आने पर शिवपुरी कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देश पर उप स्वास्थ्य केंद्र भौराना में पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (CHO) मनोज शिवहरे और एएनएम वंदना राय को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। दोनों कर्मचारियों से तीन कार्य दिवस में लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया है कलेक्टर ने भौराना स्थित स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र (HWC) का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिली इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए 355 बच्चों की रिपोर्ट, पेंटावैलेंट-1 टीकाकरण 40% निरीक्षण में दस्तावेज अभिधान के तहत डीएसएस टूल में 355 बच्चों की रिपोर्टिंग दर्ज मिली वहीं पेंटावैलेंट-1 टीकाकरण की उपलब्धि केवल 40 प्रतिशत पाई गई स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अपेक्षित स्तर पर संचालित नहीं होने को विभागीय लापरवाही माना गया कलेक्टर के निर्देश के बाद मुख्य

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. संजय ऋषीश्वर ने दोनों कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। नोटिस में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने और दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही के संबंध में जवाब मांगा गया है दोनों कर्मचारियों को तीन कार्य दिवस के भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए उन्हें मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी की स्पष्ट टीप के साथ दृष्टाढ़ के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देना होगा स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा में जवाब नहीं देने अथवा प्रस्तुत स्पष्टीकरण सतोषजनक नहीं पाए जाने की स्थिति में दोनों कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी प्रशासन की इस कार्यवाही के बाद स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले में जिम्मेदारियों के प्रति गंभीरता बढ़ाने का संदेश गया है कलेक्टर के औचक निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों के बाद अब विभागीय स्तर पर स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति और टीकाकरण व्यवस्था की निगरानी पर भी जोर दिए जाने की उम्मीद है।

कर्तव्यनिष्ठ आरक्षक के परिजनों को संबल: पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने सौंपा 10 लाख रुपए का चेक

पुलिस सैलरी पैकेज के तहत दिवंगत आरक्षक रामधन कुम्भज की पत्नी को मिली आर्थिक सहायता

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। रक्षित केन्द्र मनेन्द्रगढ़ में पदस्थ रहे दिवंगत आरक्षक रामधन कुम्भज के परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कार्यालय मनेन्द्रगढ़ में गरिमापूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने दिवंगत आरक्षक की धर्मपत्नी रेणुका कुम्भज को पुलिस सैलरी पैकेज (PSP) के अंतर्गत 10 लाख रुपए की राशि का चेक प्रदान किया आरक्षक रामधन कुम्भज ने मनेन्द्रगढ़ पुलिस लाइन में पूरी निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ अपनी सेवाएं दी थीं। उनका 28 अप्रैल 2026 को असमय निधन हो गया था। उनके निधन से पुलिस विभाग के साथ उनके परिवार में भी शोक की लहर थी। ऐसे कठिन समय में पुलिस विभाग ने तत्परता दिखाते हुए भारतीय स्टेट बैंक (SBI), सिटी ब्रांच मनेन्द्रगढ़ के माध्यम से पुलिस सैलरी पैकेज के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता की प्रक्रिया



पूर्ण कराई पुलिस प्रशासन की इस पहल से दिवंगत आरक्षक के परिवार को आर्थिक सहारा मिला है। सहायता राशि का चेक सौंपते हुए एसपी रत्ना सिंह ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और विभाग की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस प्रकरण में सहायता राशि की प्रक्रिया को समय पर पूर्ण करने में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मुख्य लिपिक पंकज नेमा एवं कार्यालयीन स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा विभागीय

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयास से पुलिस सैलरी पैकेज के तहत मिलने वाली राशि समय पर परिवार तक पहुंचाई जा सकी पुलिस प्रशासन ने कहा कि विभाग अपने कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवारों के सुख-दुख में भी मजबूती से खड़ा है दिवंगत आरक्षक के परिवार को मिली यह सहायता संकट की घड़ी में विभागीय संवेदनशीलता और अपने कर्मचारियों के प्रति जिम्मेदारी का उदाहरण है।

पारस पोर्टल पर लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण और समय-सीमा में जानकारी अपडेट करने के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, लंबित प्रकरणों, जनशिकायतों एवं शासन की योजनाओं की समीक्षा की उन्होंने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने, जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने तथा योजनाओं का लाभ प्राप्त हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए कलेक्टर ने सुशासन तिहार, सीएम हेल्पलाइन 1076, सीएम जनदर्शन पीएम पोर्टल, कलेक्टर जनदर्शन पारस पोर्टल एवं लोक सेवा केंद्र से संबंधित लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की इस दौरान उन्होंने पारस पोर्टल पर लंबित प्रकरणों एवं विभागीय कार्यों की स्थिति की जानकारी लेते



हुए संबंधित अधिकारियों को पोर्टल पर आवश्यक जानकारी एवं अपडेट करने तथा लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण कर आवेदक को संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए बैठक में ई-ऑफिस की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी कार्यालयों में ई-फाइल के माध्यम से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने ब्लॉक स्तर के

अधिकारियों को ई-फाइल संचालन का प्रशिक्षण दिलाने तथा राजस्व, पंचायत एवं नगरीय निकाय के अधिकारियों को ई-ऑफिस से जोड़ने कहा साथ ही आर्टीआई ऑनबोर्डिंग एवं आई-गॉट प्रशिक्षण निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि डिजिटल कार्यणाली से फाइलों एवं प्रकरणों के निराकरण में तेजी आने के साथ प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित होती है सभी विभाग अपने-अपने पोर्टल पर लंबित

मामलों की नियमित समीक्षा करें और ऑनलाइन जानकारी को अद्यतन रखें कलेक्टर ने जिले के सभी छात्रवासों में विद्यार्थियों की मेडिकल जांच तथा आदिवासी छात्रवासों में आई टेस्ट कराने के निर्देश दिए महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण ट्रेक्टर बच्चों के आधार अपडेट एवं स्वर्ण प्रश्न की प्रगति की जानकारी ली गई मनेन्द्रगढ़ एवं चर्मिरी में पालना केंद्र के लिए उपयुक्त भवन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए शिक्षा विभाग को ई-केवाईसी, आधार सीडिंग, छात्रवृत्ति एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में सुधार लाने कहा गया। साथ ही सरस्वती साइकिल योजना के तहत छात्राओं को वितरित की जाने वाली साइकिलों की गुणवत्ता की जांच कर गुणवत्तापूर्ण साइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश पुलिस की महिला आरक्षक वर्षा पटेल ने यूरोप की सर्वोच्च चोटी माउंट एलब्रुस पर फहराया तिरंगा



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक के पद पर जबलपुर में कार्यरत सुश्री वर्षा पटेल ने 21 अगस्त 2026 को यूरोप महाद्वीप की सर्वोच्च चोटी माउंट एलब्रुस (18,510 फीट/5,642 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह कर शिखर पर भारत का तिरंगा और

मध्यप्रदेश पुलिस का ध्वज फहराकर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है कठिन मौसम, तेज हवाओं और कड़ाके की ठंड के बीच वर्षा पटेल ने साहस, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए 21 अगस्त की सुबह 9 बजकर 7 मिनट पर माउंट एलब्रुस के शिखर पर पहुंचकर यह

उपलब्धि हासिल की पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने सुश्री वर्षा पटेल को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बीच माउंट एलब्रुस जैसी चुनौतीपूर्ण चोटी को फतह कर तिरंगा फहराना पूरे पुलिस विभाग के लिए गर्व का विषय है वर्षा पटेल ने अपने साहस, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से न केवल मध्यप्रदेश पुलिस, बल्कि प्रदेश और देश का नाम भी गौरवान्वित किया है। उनकी उपलब्धि पुलिस बल की महिला सदस्यों के साथ-साथ प्रदेश की बेटियों के लिए भी प्रेरणादायक है माउंट एलब्रुस अभियान की शुरुआत 11 अगस्त 2026 को हुई थी।



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और आसींयता का पर्व है। इस पावन अवसर पर जब परिवार के बीच खुशियां बांटने की तैयारी हो, तब समय पर मिलने वाली आर्थिक सहायता इन खुशियों को और भी ख़ास बना देती है। जिले के ग्राम हरौ निवासी दीपलक्ष्मी राय के लिए इस वर्ष रक्षाबंधन का पर्व कुछ ऐसी ही खुशियां लेकर आया है। महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि रक्षाबंधन से पहले उनके बैंक खाते में पहुंची,

जिससे उनके परिवार में त्योहार को लेकर उत्साह और खुशी का माहौल है दीपलक्ष्मी बताती हैं कि रक्षाबंधन के अवसर पर परिवार के लिए राखी, मिठाई और अन्य आवश्यक सामग्री खरीदने की चिंता अब आसान हो गई है योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे पर्व की तैयारियों में करेगी समय पर आर्थिक सहायता मिलने से वे अपने परिवार के साथ रक्षाबंधन का पर्व हंसी-खुशी और उत्साह के साथ मनाने की तैयारी कर रही हैं राखी की खुशियों में आर्थिक संबल का रंग दीपलक्ष्मी के लिए महतारी वंदन योजना की राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि जरूरत के समय मिलने वाला भरोसा का सहारा है उनका कहना है कि नियमित रूप से मिलने वाली सहायता राशि से महिलाओं को अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में सुविधा होती है परिवार की आवश्यकताओं में आर्थिक योगदान देने का अवसर मिलने से महिलाओं के आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है उन्होंने बताया कि त्योहारों के समय घर की जरूरतें सामान्य दिनों की

अपेक्षा बढ़ जाती हैं ऐसे में योजना की राशि से जरूरी सामान की खरीदारी करने में मदद मिलती है रक्षाबंधन से पहले राशि मिलने से इस बार वे अपने परिवार के साथ पर्व को लेकर अधिक उत्साहित हैं समय पर मिली राशि ने बड़ाई त्योहार की खुशी दीपलक्ष्मी राय ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम और विश्वास को मजबूत करने वाला पर्व है इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी मनाने की तैयारी कर रही हैं राखी की खुशियों में आर्थिक संबल का रंग दीपलक्ष्मी के लिए महतारी वंदन योजना की राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि जरूरत के समय मिलने वाला भरोसा का सहारा है उनका कहना है कि नियमित आर्थिक सहायता मिलना उनके लिए उपयोगी है इससे वे अपनी जरूरतों के लिए परिवार पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय स्वयं भी निर्णय ले सकती हैं और आवश्यक खर्चों में योगदान कर सकती हैं महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में पहले दीपलक्ष्मी का मानना ​​है कि महिलाओं को आर्थिक रूप से

मजबूत बनाना परिवार और समाज को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है महतारी वंदन योजना से मिलने वाली सहायता राशि महिलाओं को आर्थिक आत्मविश्वास प्रदान कर रही है जरूरत के समय इस राशि का उपयोग घर-परिवार की आवश्यकताओं बच्चों की जरूरतों और त्योहारों की तैयारियों में किया जा सकता है उनका कहना है कि सरकार की इस पहल से महिलाओं को यह विश्वास मिलता है कि उनकी जरूरतों और सम्मान को प्राथमिकता दी जा रही है। योजना की नियमित सहायता ने उनके जैसे अनेक परिवारों के लिए छोटी-छोटी खुशियों को आसान बनाया है विष्णु भैया के प्रति हृदय से आभार योजना का लाभ मिलने पर दीपलक्ष्मी राय ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास है। रक्षाबंधन से पहले सहायता राशि मिलने से इस बार उनके परिवार की खुशियां बढ़ गई हैं।

मध्यप्रदेश में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 10 दिन में 1.23 करोड़ से अधिक की शराब, वाहन और सामग्री जब्त

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और भंडारण के खिलाफ प्रदेशभर में अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है पुलिस मुख्यालय के जनसंपर्क कक्ष के अनुसार पिछले दस दिनों में विभिन्न जिलों में कार्रवाई करते हुए अवैध शराब, परिवहन में प्रयुक्त वाहनों और अन्य सामग्री सहित 1 करोड़ 23 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की गई है। कई आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं सीहोर में गुप्त कंपार्टमेंट से मिली शराब सीहोर जिले में कोवाली पुलिस ने बिलकिशंगन-झागरिया रोड पर ग्राम बरखेड़ी के पास घेराबंदी कर भोपाल से गुजरते ले



जाई जा रही शराब से भरे ट्रक को पकड़। तलाशी के दौरान ट्रक में 325 पेटी अंग्रेजी शराब मिली। शराब को ट्रक की बाड़ी में बनाए गए गुप्त कंपार्टमेंट में छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने ट्रक सहित करीब 41 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की शाहगंज पुलिस ने एक

अन्य कार्रवाई में आरोपी के कब्जे से 72 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की, जिसकी कीमत करीब 44 हजार रुपए है। दोनों कार्रवाइयों में करीब 41 लाख 44 हजार रुपए की संपत्ति जब्त हुई टीकमगढ़ और नीमच में भी बड़ी बरामदगी टीकमगढ़ के बड़गांव में पुलिस ने आयशर ट्रक



से 281 पेटी देशी शराबजब्त की वाहन और शराब सहित जब्त संपत्ति की कीमत करीब 28 लाख 75 हजार रुपए बताई गई है मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया नीमच के जावद थाना क्षेत्र की नयागांव पुलिस चौकी ने टाटा ट्रक से 335 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद

की। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 20 लाख 10 हजार रुपए है अन्य जिलों में भी कार्रवाई आलीराजपुर के सोला में पुलिस ने 306 पेटी शराब जब्त की जिसकी कीमत करीब 10 लाख 97 हजार रुपए है उज्जैन में दो अलग-अलग कार्रवाइयों में 405 बल्क लीटर

अवैध शराब और स्कॉर्पियो सहित करीब 10 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई कटनी के बिलहरी में अटिंगा कार से 20 पेटी देशी शराब बरामद हुई कार सहित करीब 7 लाख 98 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की गई विदिशा में एक मकान से 87 लीटर अंग्रेजी शराब और दो डीप फ्रिजर बरामद हुए, जिनकी कीमत करीब 2.50 लाख रुपए है पन्ना में दो आरोपियों से 93 लीटर 930 मिलीलीटर शराब सहित करीब 1 लाख रुपए की सामग्री और फंड में एक आरोपी से 54 लीटर अंग्रेजी शराब सहित करीब 1.10 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई पुलिस के अनुसार अवैध शराब के नेटवर्क, तस्करी और परिवहन में सलिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

ऑपरेशन आपकी अमानत के तहत 150 खोए फोन बरामद पुलिस ने सभी मोबाइल मालिकों को वापस सौंपे

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी साइबर सेल ने 150 खोए और चोरी हुए मोबाइल बरामद किए हैं इनकी कीमत करीब 32 लाख रुपए है। इनमें 5 आईफोन भी शामिल हैं। मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम में सभी मोबाइल उनके मालिकों को लौटा दिए गए एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया ने बताया कि जिले के लोगों ने मोबाइल खोने या चोरी होने की शिकायतें दी थीं। साइबर सेल की टीम इन मोबाइलों को तकनीकी मदद से ट्रेस कर रही थी। टीम ने राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब और उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों से मोबाइल बरामद किए एसपी भूटिया ने कहा कि मोबाइल खोने के बाद कई लोग उसे वापस मिलने की उम्मीद छोड़ देते हैं। साइबर सेल लगातार ऐसे मोबाइल ट्रेस कर



उनके मालिकों तक पहुंचाने का काम कर रही है अब तक 450 मोबाइल बरामद साइबर सेल के अनुसार ऑपरेशन आपकी अमानत' के तहत अब तक 90 लाख रुपए कीमत के 450 मोबाइल बरामद किए जा चुके हैं इन्हें उनके मालिकों को लौटाया गया है इसके अलावा साल 2025 में भी साइबर सेल ने करीब 700 मोबाइल बरामद कर लोगों को वापस किए थे।

विदिशा में दो दिन से हो रही बारिश:हलाली डैम का जलस्तर 20 सेमी बढ़ा, अब तक 624.2 मिमी औसत पानी गिरा



मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। पिछले दो दिनों से जिले के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। सोमवार को विदिशा शहर में तेज बारिश से सड़कें और गलियां जलमग्न हो गईं। मंगलवार सुबह कुरवाई में भी झमाझम बारिश हुई। लगातार बारिश से जिले के प्रमुख जलस्रोत सम्राट अशोक सागर (हलाली डैम) का जलस्तर भी बढ़ा है।

कुरवाई में झमाझम, लटेरी में भी हुई तेज बारिश: 25 अगस्त की सुबह तक विदिशा में 40 मिमी, कुरवाई में 24.8 मिमी, गुलाबगंज में 22 मिमी, ग्यारसपुर में 14.5 मिमी और नटेरन में 11 मिमी बारिश दर्ज की गई। इससे पहले रविवार को लटेरी में करीब एक घंटे तक तेज बारिश हुई थी, जिससे निचली बस्तियों और मुख्य बाजार की सड़कों पर पानी भर गया था।

सामान्य से 451 मिमी पीछे बारिश: 25 अगस्त तक इस मानसून सीजन में जिले में औसतन 624.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 1075.5 मिमी है। इस लिहाज से जिला अभी भी सामान्य बारिश से 451.3 मिमी पीछे है। पिछले साल इसी अवधि तक औसत बारिश 952.6 मिमी थी, जो इस बार के आंकड़े से 328.4 मिमी अधिक थी।

हलाली डैम का जलस्तर 20 सेमी बढ़ा: लगातार बारिश का असर सम्राट अशोक सागर (हलाली डैम) पर भी दिखाई दे रहा है। 25 अगस्त की सुबह 8 बजे डैम का जलस्तर 458.10 मीटर दर्ज किया गया, जबकि 24 अगस्त को यह 457.90 मीटर था। यानी 24 घंटे में जलस्तर 20 सेंटीमीटर बढ़ा है। डैम में वर्तमान में 173.902 एमसीएम पानी है और जलभराव 68.97 प्रतिशत हो गया है। 24 अगस्त को यह 65.43 प्रतिशत था। डैम का फुल टैंक लेवल 459.61 मीटर है, जबकि वर्तमान जलस्तर इससे करीब 1.51 मीटर नीचे है। फिलहाल डैम के पांचों गेट बंद हैं।

अगले तीन दिन बारिश के आसार: मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक जिले में बारिश जारी रहने की संभावना जताई है। 26 अगस्त को जिले में भारी बारिश होने का अनुमान है। बारिश जारी रहने से जलस्रोतों के जलस्तर में और बढ़ोतरी की उम्मीद है। हालाँकि, सामान्य बारिश का आंकड़ा पूरा करने के लिए जिले में अभी अच्छी बारिश की जरूरत बनी हुई है।

वर्षा ऋतु में दूषित पानी से होने वाली बीमारियों के रोकथाम के लिए एडवाइजरी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। वर्षा ऋतु में दूषित पेयजल के उपयोग से विभिन्न संक्रामक रोग (Water Borne Diseases) विशेषकर उल्टी, दस्त, पेटचर, हैजा, पीलिया, टाइफाइड जैसे जल-जनित रोगों की अधिक संभावना होती है साथ ही जान भराव के कारण वेक्टर जनित रोग (Vector Borne Diseases) या मलेरिया डेंगू चिकनगुनिया की अधिकता होती है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं अधिकारी डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने आम जनों को सावधानी बताने की सलाह दी है।

समस्त चिकित्सा संस्थान प्रभारियों को निर्देश: वर्षा ऋतु में पेयजल की अशुद्धता के कारण संभावित संक्रामक रोग या उल्टी-दस्त-निर्जलीकरण आपेचिश पीलिया हैजा आदि की संभावना को दुष्टिात रखते हुए यथा संभव पेयजल स्रोतों को समुचित Disinfection सुनिश्चित किया जाए। ब्लाक के समस्या मुलक ग्रामों का चिन्हाकन करते हुए जल-जनित रोगों के नियंत्रण के लिए जन-समुदाय में बचाव संबंधी जन-जागरूकता पर्याप्त औषधि एवं सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। जिला एवं ब्लाक स्तर पर जल जनित रोग/जलभराव के कारण वेक्टर जनित रोग के प्रकरणों की दैनिक एन्ट्री व निपार्टिंग IHIP Portal पर एएनएम द्वारा From (Syndromic Form) पर एवं चिकित्सा अधिकारी द्वारा स्रहश्रद्ध (Presumptive Form) पर सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यकतानुसार प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए यथोचित सेम्पल प्रेरित करें। मुख्य चिकित्सा एवं अधिकारी डॉ डेहरिया ने बताया कि ग्राम/वाड विशेष में 1000 की जनसंख्या पर 45 प्रकरण से अधिक जल जनित रोगों के प्रकरण की सूचना प्राप्त होने पर IHIP Portal पर Event Generation सुनिश्चित किया जाए एवं घटना स्थल पर Outbreak Confirmation चिकित्सकीय दल भेजा जाए। समस्त आशा कार्यकर्ताओं के पास आगामी 3 माह के लिए जल जनित रोग नियंत्रण के लिए सगस्त आवश्यक औषधि-सामग्री यथा उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिला स्तर पर स्थापित कंट्रोल/कमांड टट पर त्वरित सूचना के के लिए समस्त विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्षा ऋतु के दौरान मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। जारी एडवाइजरी अनुसार कंकणी के साथ तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी होना, बेचैनी, कमजोरी, सुस्ती, मितली, ठंड, तपन महसूस होना आदि मलेरिया के लक्षण हो सकते हैं। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मलेरिया से बचाव के मच्छरदां का उपयोग करें और खिड़कियों एवं दरवाजों पर जाली लगायें। हल्के रंग के कपड़े पहने एवं हाथ पैरों को पूरा धुएं। हर सप्ताह कूलर, टंकी और बैरल के पानी को बदलें। आस पास पानी को जमा न होने दें। इसके साथ ही तेज बुखार, उल्टी तथा शरीर में दर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डेंगू फैलाने वाला मच्छर रुके हुए साफ पानी में पनपता है।

रक्षाबंधन पर चलेगी खजुराहो-निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन:तीन फेरों का शेड्यूल जारी, 26 से 30 अगस्त तक चलेगी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। रक्षाबंधन पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने बुदेलखंड के यात्रियों के लिए खजुराहो से हजरत निजामुद्दीन के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। उत्तर मध्य रेलवे की यह ट्रेन कुल तीन फेरें लगाएगी और इसमें 21 कोच होंगे। ट्रे के संचालन से दिल्ली-एनसीआर आने-जाने वाले यात्रियों को त्योहार के दौरान अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। 26, 28 और 30 अगस्त को खजुराहो से चलेगी ट्रेन रेलवे की समय-सारणी के अनुसार खजुराहो-हजससे शाम 5 बजे रवाना होगी।

त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की सघन जांच करें : कलेक्टर अंशुल गुप्ता

बाहर से आने वाली बसों एवं अन्य परिवहन साधनों का भी किया जाए निरीक्षण, मावा-पनीर सहित दुग्ध उत्पादों पर विशेष निगरानी के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)।

आगामी त्योहारों को दुष्टिात रखते हुए जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने को देखते हुए मिलावटखोरी एवं अमानक खाद्य सामग्री के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर गुप्ता ने कहा कि आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने खाद्य एवं औषधि प्रशासन सहित संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि जिले में खाद्य पदार्थों की नियमित एवं आकस्मिक जांच की जाए तथा संदिग्ध एवं अमानक सामग्री के नमूने लेकर नियमानुसार परीक्षण कराया जाए।

मावा और पनीर पर विशेष निगरानी: त्योहारों के दौरान विशेष रूप से मावा, पनीर एवं अन्य दुग्ध उत्पादों की खपत बढ़ जाती है। ऐसे में इन खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जिले में आने वाले मावा, पनीर तथा अन्य दुग्ध उत्पादों की जांच की जाए और गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जांच अभियान केवल शहर तक सीमित न रहे, बल्कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों, बाजारों, दुकानों, खाद्य प्रतिष्ठानों तथा अन्य संभावित स्थानों पर भी प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए।

बाहर से आने वाले परिवहन साधनों की भी होगी जांच: कलेक्टर गुप्ता ने जिला परिवहन अधिकारी को भी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में बाहर से आने वाली बसों तथा अन्य परिवहन संसाधनों का निरीक्षण किया जाए, ताकि बाहरी क्षेत्रों से अमानक या संदिग्ध खाद्य पदार्थ जिले में प्रवेश न कर सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित कर प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य पदार्थों के परिवहन एवं आपूर्ति की प्रक्रिया पर भी



की जांच की जाए और गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जांच अभियान केवल शहर तक सीमित न रहे, बल्कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों, बाजारों, दुकानों, खाद्य प्रतिष्ठानों तथा अन्य संभावित स्थानों पर भी प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए।

बाहर से आने वाले परिवहन साधनों की भी होगी जांच: कलेक्टर गुप्ता ने जिला परिवहन अधिकारी को भी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में बाहर से आने वाली बसों तथा अन्य परिवहन संसाधनों का निरीक्षण किया जाए, ताकि बाहरी क्षेत्रों से अमानक या संदिग्ध खाद्य पदार्थ जिले में प्रवेश न कर सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित कर प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य पदार्थों के परिवहन एवं आपूर्ति की प्रक्रिया पर भी

नजर रखने को कहा, जिससे मिलावटी अथवा अमानक खाद्य सामग्री की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान नागरिकों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को जांच अभियान को गंभीरता और निरंतरता के साथ संचालित करने तथा अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में जिन प्रमुख विषयों की गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं उनमें सीएम मॉनिट, केंद्रीय मंत्री एवं प्रभारी मंत्री से प्राप्त पत्रों तथा उनके उत्तरों की अद्यतन स्थिति प्रमुख रूप से समीक्षा, इसके साथ ही स्कूलों एवं छात्रावासों में प्रवेश की स्थिति, विभिन्न योजनाओं से संबंधित लंबित प्रकरण, सीईओ जिला पंचायत, सीएमओ एवं एसडीएम स्तर पर लंबित बंद नल-जल योजनाओं की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति से संबंधित विषयों में राशन दुकानों पर की गई कार्रवाई, ई-केवाईसी की स्थिति, संलग्न दुकानों में आवंटन, तथा सेल्समैन द्वारा एक से अधिक दुकान संचालित किए जाने की स्थिति की जानकारी ली गई।

रात में ढाबों पर चैकिंग, शराब पीते मिले लोग

केस दर्ज, रतलाम कलेक्टर की फटकार के बाद आबकारी विभाग का अमला एक्टिव हुआ



सुना है या कहीं पढ़ा है?’ लेकिन बैठक में कोई भी अधिकारी जवाब नहीं दे सका। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसी स्थिति स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रतिदिन सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उसका प्रभाव भी दिखाई देना चाहिए। लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी।

ड्रग इंस्पेक्टर से मांगा रिकॉर्ड: कलेक्टर ने ड्रग इंस्पेक्टर से अगस्त माह के दौरान विभाग द्वारा की गई सभी कार्रवाई का स्थिति स्वीकरण मांगा। उन्होंने कहा कि अगली समीक्षा बैठक में सबसे पहले इसी विषय पर चर्चा होगी और यह बताया जाएगा कि कितनी कार्रवाई की गई तथा उसके क्या परिणाम रहे।

● ढाबे पर मिली अवैध शराब

कलेक्टर की फटकार के बाद सोमवार रात सहायक आबकारी आयुक्त विकास मंडलोई के निर्देशन में रतलाम आबकारी विभाग की टीम मैदान में उतरी। सहायक जिला आबकारी अधिकारी मनोहर खरे, सीम इंस्पेक्टर पुष्पराज चौहान, सचिन भास्कर, ओमप्रकाश मालवीय एवं टीम ने अवैध शराब बेचने वाले एवं शराब दुकानों के आसपास शराब का सेवन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। टीम ने बस स्टैंड, शहर शराय, सज्जन मिल, बरबड़, साला खेड़ी, पावर हाउस, स्टेशन रोड स्थित शराब दुकानें आदि दुकानों पर सघन चैकिंग की। दुकान के आसपास रोड पर एवं सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की। टीम ने गांधी नगर में चटका ढाबा, बिनोबा नगर, देशी हांडी ढाबा बिरिया खेड़ी, विजिलेंस ढाबा बिरिया खेड़ी, जुलवानिया रोड पर जांच करते हुए कार्रवाई करते हुए ढाबा संचालकों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया।

नर्मदापुरम में 3 दिन भारी बारिश का अलर्ट

30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, वज्रपात की भी चेतावनी जारी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में मंगलवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं। रात में कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी भी हुई। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में जिले के मौसम में बदलाव की संभावना जताई है। 25 और 26 अगस्त को कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। 26 और 27 अगस्त को भी कहीं-कहीं भारी वर्षा के आसार हैं। इस दौरान गरज-चमक के साथ वज्रपात और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

तीन दिन बारिश और तेज हवाओं का दौर: मौसम विभाग के अनुसार जिले में अगले तीन दिनों तक गरज-चमक के साथ बारिश की गतिविधियां बनी रह सकती हैं। कुछ स्थानों पर तेज बारिश होने की संभावना है। बारिश के दौरान तेज हवाएं भी चल सकती हैं। 25 से 26 अगस्त के बीच जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। इसके बाद 26 से 27 अगस्त के दौरान भी कहीं-कहीं भारी वर्षा होने



का अनुमान है। मौसम में बदलाव के साथ तेज हवा का दौर जारी रहने की संभावना है।

इस साल अब तक 25 इंच बारिश: नर्मदापुरम जिले में इस साल मानसून की शुरुआत से ही बारिश अपेक्षाकृत कम रही है। अब तक जिले में औसतन करीब 25 इंच बारिश दर्ज की गई है। यह सामान्य बारिश से कम है। पिछले साल की तुलना में भी इस बार बारिश काफी पीछे है। पिछले साल 1 जून से 25 अगस्त तक जिले में 40 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी थी।

सीहोर में 24 घंटे में आधा इंच से ज्यादा बारिश

उफान पर नदी-नाले, अब तक हुई 28.22 इंच बारिश

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटों में जिले में औसतन 0.52 इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई। सीहोर और आठ्य समेत कई क्षेत्रों में बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। मौसम में ठंडक घुलने से लोगों को उमस से राहत मिली है।

सीहोर में सबसे ज्यादा बारिश: भू-अभिलेख विभाग के 25 अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटों में सीहोर तहसील में सबसे अधिक 1.26 इंच बारिश दर्ज की गई। आठ्य में 1.14 इंच, भैरूदा में 0.94 इंच, रेहटी में 0.32 इंच, श्यामपुर में 0.30 इंच और बुधनी में 0.20 इंच



वर्षा हुई।

अब तक 28.22 इंच बारिश: 1 जून से 25 अगस्त तक जिले में औसतन 28.22 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। जिले की सामान्य औसत बारिश 45.21 इंच है। सीहोर तहसील में अब तक सबसे अधिक 34.25 इंच बारिश दर्ज हुई है। पिछले साल इसी अवधि में जिले में औसतन 31.89 इंच बारिश हुई थी। इस वर्ष सीहोर और आठ्य में पिछले साल की

तुलना में अधिक बारिश हुई है, जबकि बुधनी और रेहटी में बारिश का आंकड़ा पिछले वर्ष से थोड़ा कम है।

मौसम प्रणालियां सक्रिय: विभाग के अनुसार, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में कम दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। इसके साथ साइक्लोनिक सर्कुलेशन और मानसूनी ट्रफ लाइन भी बनी हुई है। बंगाल की खाड़ी से लगातार आ रही नमी के कारण सीहोर सहित आसपास के जिलों में बारिश का दौर जारी है।

72 घंटे बारिश के आसार: मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 से 72 घंटे रहने की संभावना है।

नर्मदापुरम में बस से 650 किलो संहिग्ध मावा जब्त

भोपाल से लाया गया मावा पुराने बस स्टैंड पर उतारते समय पकड़ा, बिल-दस्तावेज नहीं मिले

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)।

नर्मदापुरम में रक्षाबंधन त्योहार से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पुराने बस स्टैंड से एक यात्री बस में ले जाया जा रहा 650 किलो संहिग्ध मावा जब्त किया। मावा 50-50 किलो के 13 पैकेट में रखा हुआ था। इसकी अग्रमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई जा रही है। कार्रवाई अतिरिक्त तहसीलदार डॉ. सुरेखा यादव और खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावर की टीम ने की। अधिकारियों के पहुंचने के समय बस से मावे की खेप उतारी जा रही थी। टीम ने मावा जब्त कर पंचनामा बनाया और सैपल जांच के लिए लैब भेजने की प्रक्रिया शुरू की है।

भोपाल से नर्मदापुरम लाया गया था मावा: जानकारी के अनुसार कटियार बस सर्विस की यात्री बस भोपाल से छिदवाड़ा जा रही थी। बस में 650 किलो



मावा रखा हुआ था। बताया गया कि यह मावा नर्मदापुरम के अलग-अलग व्यापारियों के लिए लाया गया था। आरोप है कि बस चालक निधारीत मार्ग और बस

स्टैंड के बजाय मावे की खेप उतारने के लिए पुराने बस स्टैंड पहुंचा। इसी दौरान अधिकारियों को इसकी जानकारी मिली और टीम मौके पर पहुंच गई।

बिल और दस्तावेज नहीं मिले: अधिकारियों के अनुसार मावे के संबंध में बस चालक और कंडक्टर के पास बिल या अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं मिले। मावा किसने बुक कराया था और नर्मदापुरम में इसे कौन लेने वाला था, इसकी जानकारी भी चालक-कंडक्टर नहीं दे सके। खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावर ने बताया कि मावा शहर के अलग-अलग व्यापारियों के लिए आया था। इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। मावा नकली, मिलावटी या मानक के अनुरूप है, यह लैब जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

परमिट के तय मार्ग से हटकर पुराने बस स्टैंड पहुंची बस: अतिरिक्त तहसीलदार सुरेखा यादव ने बताया कि बस चालक परमिट में निर्धारित मार्ग से हटकर पुराने बस स्टैंड पहुंचा था। इस संबंध में आरटीओ को पत्र लिखकर वैधानिक

कार्रवाई के लिए कहा जाएगा। मावे की खेप जब्त करने की कार्रवाई के दौरान बस करीब डेढ़ घंटे तक मौके पर खड़ी रही। इससे बस में सवार महिला, पुरुष और बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

त्योहार को देखते हुए खाद्य पदार्थों की जांच तेज: रक्षाबंधन त्योहार को देखते हुए खाद्य एवं औषधि विभाग की ओर से मावा, घी, पनीर सहित अन्य दुग्ध उत्पादों की लगातार जांच की जा रही है। इसी अभियान के तहत मंगलवार को 650 किलो संहिग्ध मावा जब्त किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि मावे की गुणवत्ता की जांच रीपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। वैध दस्तावेज नहीं मिलने और अन्य अनियमितता पाए जाने पर बस चालक और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

‘सपना हुआ सच’, टीम इंडिया में चयन के बाद अशु मलिक की भावुक प्रतिक्रिया

नई दिल्ली,एजेसी। : स्टार कबड्डी खिलाड़ी अशु मलिक ने जापान में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चुने जाने पर गर्व जताया है। कबड्डी चैंपियंस लीग (चरु) के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि 12 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल नौ खिलाड़ी इसी लीग के इकोसिस्टम से निकलकर राष्ट्रीय टीम तक पहुंचे हैं। वहीं, द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित बलवान सिंह भारतीय कबड्डी टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे।

● ‘भारत की जर्सी पहनना शब्दों से परे जज्बा है’

KCL में हिसार हीरोज का प्रतिनिधित्व करने वाले अशु मलिक ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए बेहद भावुक और गर्व का पल है। उन्होंने अपने करियर को आकार देने वाले अवसरों के लिए आभार भी जताया। अशु मलिक ने कहा, ‘भारत की जर्सी पहनना एक ऐसा जज्बा है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मैं उन सभी अवसरों का आभारी हूँ, जिन्होंने मेरी इस यात्रा को आकार दिया है और मैं भारत के लिए अपना 100 प्रतिशत दूंगा।’

● भारतीय टीम में चरुके नौ खिलाड़ियों का चयन

भारतीय टीम में चरुरुसे जुड़े खिलाड़ियों की मजबूत मौजूदगी लीग के बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है। 12 सदस्यीय राष्ट्रीय टीम में नौ खिलाड़ी कबड्डी चैंपियंस लीग के इकोसिस्टम से जुड़े रहे हैं। राष्ट्रीय टीम में चरुरुका प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में करनाल किंग्स के सुनील मलिक, सोनीपत स्टार्स के अयान लौचाब, भिवानी बुल्स के देवांक दलाल, गुरुग्राम गुरुस के राहुल सेतपाल, फरीदाबाद



फाइटर्स के जयदीप देहिया और पानीपत पैथर्स के अकित जगलान शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय टीम में चयन घरेलू फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता से शुरू हुई उस यात्रा का बड़ा पड़ाव है, जो अब अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंच गई है। सुनील मलिक बोले - ‘भारत का प्रतिनिधित्व करना जीवन का सबसे बड़ा सम्मान’ सुनील मलिक ने भारत का प्रतिनिधित्व करने के अवसर को अपने जीवन का सबसे बड़ा सम्मान बताया। उन्होंने कहा कि चरुरुमें खेलने से उन्हें महत्वपूर्ण अनुभव और आत्मविश्वास मिला है। सुनील ने कहा, ‘भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन और आत्मविश्वास दिया है। चरुरुके साथ मेरी यात्रा ने मुझे बहुमूल्य अनुभव और आत्मविश्वास दिया है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर चरुरुकी विरासत को आगे ले जाने पर मुझे बेहद गर्व है और मैं तिरंगे के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा।’ अयान लौचाब के लिए सपना हुआ सच अयान लौचाब ने एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चयन को अपने सपने के सच होने जैसा बताया। उन्होंने अपने विकास में चरुरुकी भूमिका को भी अहम बताया। अयान ने कहा, ‘एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सपना सच होने जैसा है। चरुरुमें मुझे एक खिलाड़ी के रूप में विकसित होने के लिए महत्वपूर्ण मंच दिया है। मैं मिले समर्थन के लिए आभारी हूँ और अपने देश तथा चरुरुको गौरवान्वित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूँ।’

● देवांक दलाल ने परिवार के लिए बताया खास पल

देवांक दलाल ने भारतीय टीम में चयन को अपने और परिवार के लिए बेहद खास क्षण बताया। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी एशियाई खेलों जैसे बड़े मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखता है। देवांक ने कहा, ‘यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद खास पल है। एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका हर खिलाड़ी का सपना होता है।

पीवी सिंधु और आयुष शेट्टी ने चाइना मास्टर्स से वापस लिया नाम



नई दिल्ली ,एजेसी। : स्टार शटलर पीवी सिंधु और आयुष शेट्टी ने आने वाले चाइना मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। यह टूर्नामेंट 1 सितंबर से शुरू होगा। एशियन गेम्स से पहले यह BWF वर्ल्ड टूर का एकमात्र बड़ा इवेंट होगा। आयुष ने नई दिल्ली में वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने पहले राउंड में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी शी युकी को चौका दिया था। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी राउंड ऑफ 16 तक पहुंचे, लेकिन इंडोनेशिया के अल्बी फरहान से हार गए। आयुष के हटने के बाद लक्ष्य सेन और किदांबी कांत पुरुष सिंगल्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। हालांकि

लक्ष्य वर्ल्ड चैंपियनशिप के दूसरे राउंड में USA के दुनिया के नंबर 92 खिलाड़ी गैरेंट टैन से हारकर जल्दी बाहर हो गए थे। सिंधु भी वर्ल्ड चैंपियनशिप में राउंड ऑफ 16 तक पहुंची थीं, जहां उन्हें चीन की दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी वांग झी यी से कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय खिलाड़ी पर उस मुश्किल मैच का असर दिख रहा था, जो शायद उनके चाइना मास्टर्स से हटने के फैसले की एक वजह हो सकती है। मालविका बंसोद और आकर्षी कश्यप ने भी अपना नाम वापस ले लिया है जिससे महिला सिंगल्स में भारत की चुनौती संभालने के लिए उन्नति हड्डा, देविका सिहाग और तन्वी शर्मा बची हैं।

पुरुष डबल्स में सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के साथ हरिहरन अमासुकरन और अर्जुन एमआर भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। सात्विक और चिराग चोट के कारण ब्रेक के बाद वर्ल्ड चैंपियनशिप में लौटे थे, लेकिन राउंड ऑफ 16 में अंततः चैंपियन बने चीन के लियांग वेइकेनग और वांग चांग से हारकर बाहर हो गए।

महिला डबल्स ड्रॉ में भारत की कोई जोड़ी नहीं होगी क्योंकि वर्ल्ड चैंपियनशिप में ऐतिहासिक बॉन्ज मेडल जीतने के बाद टेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा के बॉन्ज मेडल जीतने के बाद भारतीय जोड़ी देश की दूसरी महिला डबल्स जोड़ी बन गई जिसने वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीता।

मिक्स्ट डबल्स में ध्रुव कपिला और तनीषा क्र्रास्टो के साथ-साथ रोहन कपूर और रत्निका शिवानी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। रविवार को नई दिल्ली में 2026 एंड्रशन के समापन के साथ भारत ने 2011 से हर वर्ल्ड चैंपियनशिप में कम से कम एक मेडल जीतने का अपना शानदार सिलसिला जारी रखा।

सारा ढांचा ही खराब कर दिया है

एस्सटेलवीन ,एजेसी। : विश्व कप में 51 साल बाद पदक जीतने का सपना लेकर गई भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने में भी नाकाम रहने के बाद पूर्व दिग्गजों ने युवा खिलाड़ियों को मौका नहीं देने और उसी कोर ग्रुप के साथ लगातार खेलने पर सवाल उठाए हैं। अर्जेंटीना से 3-5 से हारने के बाद भारत की सेमीफाइनल की उम्मीदें भी खत्म हो गईं और इससे वे कमजोरियां भी उजागर हुईं जो पेरिस ओलंपिक के बाद से लगातार चली आ रही थी। पूर्व खिलाड़ियों का मानना ​​है कि धीमी शुरुआत, मौके गंवाने और डिफेंस में चूक से आगे यह समस्या और बढ़ी है और इसका हल काफी पहले निकाला जाना चाहिए था। भारतीय टीम



विश्व कप से पहले स्विटजरलैंड में मानसिक दृढ़ता बढ़ाने के लिए बूट कैप में गईं लेकिन टूर्नामेंट में दबाव का सामना नहीं कर सकी। ड्रेग फ्लिकर और कसान

हरमनप्रीत सिंह पर अधिक निर्भरता का खामियाजा भुगतना पड़ा जबकि वह पूरी तरह फिट नहीं थे। मनप्रीत सिंह और मनदीप सिंह जैसे सीनियर अंशेक्षाओं पर

भारत-पाकिस्तान मुकाबले पर बोली हरमनप्रीत कौर ऐसा दबाव कहीं और महसूस नहीं होता



नई दिल्ली,एजेसी। : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ण्ट महिला टी20 एशिया कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले बड़ा बयान दिया है। हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारत-पाकिस्तान मैच का दबाव किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय

मुकाबले से बिल्कुल अलग होता है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि खिलाड़ियों को नतीजे की चिंता करने के बजाय अपनी योजना, रूटीन और टीम की जरूरत पर ध्यान देना चाहिए।महिला टी20 एशिया कप 2026 का आगज 28 अगस्त से होगा, जबकि भारत और पाकिस्तान की टीमें 5 सितंबर को ग्रुप स्टेज के हाई-वोल्टेज मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

● ‘भारत-पाकिस्तान मैच जैसा दबाव कहीं और नहीं’ - हरमनप्रीत कौर ने कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबले में खिलाड़ियों पर मानसिक दबाव काफी ज्यादा होता है और इस मुकाबले की अहमियत अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग होती है। हरमनप्रीत ने सोनी स्पোর্ट्स से कहा, ‘इसमें कोई शक नहीं कि यह एक हाई-प्रेसर गेम है और एक खिलाड़ी के तौर पर आपको कई चीजों से निपटना पड़ता है। हम लगातार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान मैच में जिस तरह का दबाव होता है, वैसा दबाव कहीं और महसूस नहीं होता।’ उन्होंने आगे कहा, ‘आप कई बड़े मुकाबले खेल सकते हैं, लेकिन उस तरह का दबाव महसूस नहीं होता। कहीं न कहीं हमें पता होता है कि हर भारतीय यह मैच देख रहा है। सिर्फ क्रिकेट फैंस ही नहीं, बल्कि हर भारतीय की नजर इस मैच पर होती है।’

प्रज्ञानन्दा ने की जोरदार वापसी, कीमर के खिलाफ रोमांचक ड्रॉ

सेंट लुईस, अमेरिका,एजेसी। ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 के पहले दिन भारत के ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानन्दा और जर्मनी के विसेंट कीमर के बीच खेला गया मुकाबला सबसे रोमांचक रहा। दोनों खिलाड़ियों ने कई मौकों पर बढ़त हासिल की, लेकिन अंततः बाजी ड्रॉ पर समाप्त हुई। दूसरे सेमीफाइनल में फैबियानो करुआना और वेस्ली सो के बीच मुकाबला भी ड्रॉ रहा। ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स में चार शीर्ष खिलाड़ी-प्रज्ञानन्दा, कीमर, सो और करुआना-खिताब के लिए मुकाबला कर रहे हैं। पहले चरण में दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों में द क्लासिकल गेम खेले जाएंगे।

प्रज्ञानन्दा-कीमर के बीच जबरदस्त संघर्ष

प्रज्ञानन्दा ने काले मोहरों से खेलते हुए शुरुआत में ही वजीर चलकर मुकाबले को बेहद जटिल बनाने की कोशिश की। यह प्रज्ञानन्दा की शैली का परिचित अंदाज है, जहां वे शुरुआती दौर में ही अपने प्रतिद्वंद्वी को तैयारी से बाहर निकालकर एक नई और असंतुलित स्थिति बनाने की कोशिश करते हैं। हालांकि शुरुआती चरण में कीमर ने केंद्र में जगह बनाते हुए बेहतर स्थिति हासिल कर ली थी। 13वीं चाल तक जर्मन खिलाड़ी को हल्की बढ़त मिल गई थी, लेकिन उनकी घड़ी पर समय तेजी से कम हो रहा था। वे प्रज्ञानन्दा की तुलना में करीब आधे घंटे पीछे चल रहे थे। समय के दबाव के बावजूद कीमर ने लगातार मुश्किल सवाल खड़े किए और मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया। दोनों खिलाड़ियों को अलग-अलग चरणों में जीत के मौके मिले, लेकिन अंततः सटीक खेल के बाद बाजी ड्रॉ पर समाप्त हुई।



वैभव सूर्यवंशी ने एक ही ओवर में झटके 2 विकेट, डेब्यू मैच में गेंदबाजी से दिखाया दम

भारत के 15 वर्षीय युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी 2026 में अपने पहले ही मुकाबले में बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन के बाद गेंदबाजी में शानदार वापसी की। नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बाएं हाथ के स्पिनर सूर्यवंशी ने एक ही ओवर में दो विकेट चटकाकर अपनी टीम ईस्ट जोन को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

बल्लेबाजी में नहीं चला बल्ला-ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी को पहली पारी में बल्लेबाजी का मौका मिला, लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। सूर्यवंशी ने मणिपुर के तेज गेंदबाज बिस्वोजीत कोंथौजम के खिलाफ लगातार दो चौके जरूर लगाए, लेकिन इसके बाद शरीर से दूर जाती गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में गलती कर बैठे। उनका बल्ले का बाहरी किनारा लगा और गली में जोसेफ लालथंयुमा ने कैच लपक लिया। इस तरह दलीप ट्रॉफी डेब्यू पर सूर्यवंशी सिंगल डिजिट स्कोर पर आउट हो गए।कसान क्रिशन ने थमाई गेंद

बल्ले से सस्ते में आउट होने के बाद सूर्यवंशी ने गेंदबाजी से अपनी छाप छोड़ी। मुकाबले के तीसरे दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान क्रिशन ने नॉर्थ ईस्ट जोन की दूसरी पारी के 26वें ओवर में उन्हें गेंद सौंपी। बाएं हाथ के स्पिनर सूर्यवंशी ने जल्द ही कप्तान के भरोसे को सही साबित कर दिया और अपने दूसरे ओवर में लगातार दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर मैच का रुख पूरी तरह ईस्ट जोन की तरफ मोड़ दिया।



क्रिशन लिंगदोह को बनाया पहला शिकार-अपने दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने क्रिशन लिंगदोह को आउट किया। लिंगदोह क्रीज से आगे निकलकर बड़ा

शॉट खेलने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन गेंद को सही तरह से टाइम नहीं कर सके। उनके बल्ले से लीडिंग एज निकला और गेंद हवा में चली गई। स्थानापन्न खिलाड़ी डेनिश दास ने आसान कैच लेकर सूर्यवंशी को दलीप ट्रॉफी

मुकाबले में उनका पहला विकेट दिलाया।

अगले ही बल्लेबाज को ईशान क्रिशन ने लपका-नए बल्लेबाज इमलीवाती लेमतुर ने पहली ही गेंद पर चौका लगाकर अपना खाता खोला। हालांकि, सूर्यवंशी ने जल्द ही वापसी

की। एक डॉट गेंद के बाद उन्होंने राउंड द विकेट आकर गेंदबाजी की और लेमतुर के बल्ले का बाहरी किनारा निकलवा दिया। विकेटकीपर और कप्तान ईशान क्रिशन ने कैच लपकने में कोई गलती नहीं की। इस तरह वैभव सूर्यवंशी ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर नॉर्थ ईस्ट जोन को मुश्किल में डाल दिया।

फॉलोऑन के बाद नॉर्थ ईस्ट जोन की हालत खराब-फॉलोऑन खेल रही नॉर्थ ईस्ट जोन की टीम 28वें ओवर तक 79/7 के स्कोर पर सिमटती नजर आ रही थी। रोंगसेन जोनाथन की कप्तानी वाली टीम पर पारी की हार का खतरा मंडरा रहा था। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 पर खेले जा रहे इस दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में ईस्ट जोन ने मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली। लंच ब्रेक तक नॉर्थ ईस्ट जोन का स्कोर 102/8 था और टीम अभी भी 254 रन से पीछे चल रही थी।

3 ओवर में 2 विकेट, पहले स्पेल में शानदार प्रदर्शन-वैभव सूर्यवंशी ने अपने पहले स्पेल में तीन ओवर गेंदबाजी की और 11 रन देकर दो विकेट हासिल किए। यह उनके लिए खास प्रदर्शन रहा, क्योंकि इससे पहले रेड-बॉल क्रिकेट में उनकी गेंदबाजी का अनुभव बेहद सीमित था। यह सूर्यवंशी का नौवां प्रथम श्रेणी मुकाबला है। दलीप ट्रॉफी डेब्यू से पहले उन्होंने सिर्फ पांच पारियों में गेंदबाजी की थी और दो विकेट लिए थे। उनके नाम

51 की उम्र में भी ओलंपिक मेडल का सपना

भारतीय शूटर मायराज अहमद खान की नजरें LA 2028 पर



● अंडर -12 राइफल शूटिंग से शुरू हुआ सफर

मायराज का शूटिंग करियर अंडर -12 वर्ग में श्री-पोजीशन राइफल शूटर के तौर पर शुरू हुआ था। बचपन में हथियारों से परिचय होने के कारण उनकी दिलचस्पी शूटिंग की ओर बढ़ी। हालांकि, पढ़ाई और क्रिकेट पर ध्यान देने के लिए उन्होंने कुछ समय के लिए शूटिंग से दूरी बनाई। इसके बाद 1994 में उन्होंने शॉटगन शूटिंग के साथ खेल में वापसी की और साल 2000 से उन्होंने स्कीट शूटिंग को अपना मुख्य इवेंट बना लिया।

नई दिल्ली,एजेसी। : भारत के दिग्गज निशानेबाज मायराज अहमद खान 51 साल की उम्र में भी शूटिंग की दुनिया में अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। भारत के पहले ओलंपिक स्कीट शूटर मायराज का मानना ​​है कि उनके लंबे करियर का सबसे बड़ा राज वर्तमान में रहना और एक समय में सिर्फ एक लक्ष्य पर ध्यान देना है। दो ओलंपिक खेल चुके मायराज अब लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में अपनी किस्मत आजमाने की तैयारी कर रहे हैं।

‘एक दिन और एक टारगेट पर ध्यान देता हूँ’

मायराज अहमद खान ने कहा कि वह भविष्य के बारे में ज्यादा नहीं सोचते और हमेशा वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उनके मुताबिक, यही सोच उन्हें तीन दशक से अधिक समय तक खेल में बनाए रखने में मदद करती रही है। मायराज ने कहा, ‘मैं कभी भविष्य के बारे में नहीं सोचता। मैं हमेशा वर्तमान में रहता हूँ। मैं एक दिन को एक समय में लेता हूँ और एक टारगेट पर ध्यान देता हूँ।

विश्व कप में पुरुष हॉकी टीम के खराब प्रदर्शन पर भड़के दिग्गज

खरे नहीं उतर सके। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास लेने वाले गोलकीपर पी आर जेश ने जूनियर खिलाड़ियों को समय पर मौके नहीं दिए जाने का हवाला देते हुए कहा, ‘सीनियर खिलाड़ियों के जाने के बाद उनकी जगह कौन लेगा। क्या हमने दूसरी जमात तैयार की है। लॉस एंजेलिस ओलंपिक में दो ही साल बचे हैं और उससे पहले करीब तीस अंतरराष्ट्रीय मैच ही होंगे। क्या ओलंपिक के लिए इससे खिलाड़ी तैयार हो सकते हैं, नहीं।’ उन्होंने कहा, ‘विश्व कप की टीम में भी भी वही कोर खिलाड़ी हैं जबकि मनमीत सिंह, आमिर अली, रोशन कुकुर, तालेम प्रियव्रत, रोहित, अशदीप जैसे कई प्रतिभाशाली जूनियर इंतजार ही कर रहे हैं।

’ पूर्व ओलंपियन जगवीर सिंह ने कहा कि चयन के कुछ फैसले बेहतर हो सकते थे। उन्होंने कहा, ‘जूनियर खिलाड़ियों को सही समय पर मौके मिलने चाहिए और चयन के कुछ फैसले बेहतर हो सकते थे। तैयारी ओलंपिक से ओलंपिक की होनी चाहिए। कोचिंग स्टाफ ने अनुभव को ही तरजीह दी जो काम नहीं आया। भारत के पास यह सर्वश्रेष्ठ मौका था लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखाई। हर 10 मिनट में डिफेंस चरमरा रहा था।’ ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कप्तान रहे वासुदेवन भास्करन ने कहा, ‘मैंने पिछले चार साल में किसी भारतीय फॉरवर्ड को अच्छे खेलते नहीं देखा।

सेमीफाइनल में मिलेगा बल्लेबाजी का एक और मौका

बल्ले से पहली पारी में सस्ते में आउट होने के बावजूद वैभव सूर्यवंशी को सेमीफाइनल में अपनी बल्लेबाजी साबित करने का एक और मौका मिलेगा। दलीप ट्रॉफी का सेमीफाइनल 30 अगस्त से शुरू होगा। अगर ईस्ट जोन फाइनल में पहुंचता है, तो युवा बल्लेबाज को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रेड-बॉल क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा।

दलीप ट्रॉफी के बाद अफगानिस्तान सीरीज और एशियन गेम्स

दलीप ट्रॉफी के बाद वैभव सूर्यवंशी का व्यस्त कार्यक्रम जारी रहेगा। उन्हें तुरंत रेड-बॉल क्रिकेट से व्हाइट-बॉल क्रिकेट में वापसी करनी होगी, क्योंकि भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज 13 सितंबर से दिल्ली में शुरू होगी। इसके बाद सूर्यवंशी जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए रवाना होंगे। ऐसे में दलीप ट्रॉफी में उनका यह प्रदर्शन आगामी बड़े टूर्नामेंटों से पहले उनके लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला साबित हो सकता है।

28.50 की औसत से दो विकेट थे और उन्होंने रेड-बॉल क्रिकेट में कुल 14 ओवर ही फेंके थे।

नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने ई-बस योजना, पीएम आवास और वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजना की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने आज मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री ई-बस योजना, प्रधानमंत्री आवास मिशन (शहरी) 1.0, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत प्रस्तावित वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजना तथा 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं की व्यवहारिकता, वित्तीय पक्ष, समयबद्ध क्रियान्वयन तथा नागरिकों को मिलने वाले लाभों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने इन योजनाओं के क्रियान्वयन में जनसुविधा, समग्र योजना, समयबद्धता, वित्तीय व्यवहार्यता और दीर्घकालिक स्थिरता को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सूडा के मुख्य



कार्यपालन अधिकारी श्री सुमित अग्रवाल भी बैठक में मौजूद थे। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बैठक में प्रधानमंत्री ई-बस योजना के तहत रायपुर में ई-बसों के संचालन को व्यवस्थित, सुविधाजनक और अधिक जनोपयोगी बनाने के लिए व्यापक रूट प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

सार्वजनिक परिवहन का लाभ उठ सकें। उन्होंने प्रस्तावित बस रूटों की व्यवहारिकता, यात्री आवागमन एवं कनेक्टिविटी का आकलन करने के लिए विस्तृत सर्वे प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही पीपीपी मॉडल के आधार पर बस-स्टॉप्स की सूची तैयार करने तथा बस-स्टॉप्स का निर्धारण यात्रियों की सुविधा और आवश्यकता के अनुरूप करने को कहा। प्रमुख सचिव ने यात्रियों की सुविधा और आम नागरिकों की भुगतान क्षमता को ध्यान में रखते हुए युक्तिसंगत एवं सुविधाजनक किराया निर्धारित करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-बस योजना को आधुनिक एवं नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए नवीन तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जाए। बस-रूट, बस-स्टॉप, बसों की उपलब्धता एवं यात्री सुविधाओं से संबंधित व्यवस्थाओं को तकनीक आधारित बनाते हुए ऐसी कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे यात्रियों को सुगम, सुरक्षित और बेहतर सार्वजनिक परिवहन

सुविधा उपलब्ध हो सके। श्री बोरा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों को मिशन अवधि की अंतिम निर्धारित तिथि 30 सितम्बर 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय निकायों में शेष एवं निर्माणाधीन आवासों की संख्या के आधार पर साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित कर विशेष ड्राइव चलाने तथा आवास निर्माण को मिशन मोड में पूर्ण करने को कहा। उन्होंने प्रत्येक नगरीय निकाय स्तर पर आवासों की प्रगति की नियमित समीक्षा करने और जहां निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है, वहां आवश्यक समन्वय कर कार्यों में तेजी लाने को कहा। प्रमुख सचिव ने जिला कलेक्टरों को भी जिले में शेष आवासों को पूर्ण करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने तथा उनकी सतत समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एवं नगरीय निकायों के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से लंबित आवासों को समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बाबाघाट धाम में किया रुद्राभिषेक



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लोरमी के श्री बाबाघाट धाम में आज पावन श्रावण मास के अंतिम सोमवार को आस्था और विकास का सुंदर संगम देखने को मिला। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने लोरमीवासियों के साथ परम पूज्य श्री श्री 108 शिवानंद जी महाराज के पावन सानिध्य में भगवान भोलेनाथ का विधिवत रुद्राभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने महादेव से सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। रुद्राभिषेक के बाद श्री साव ने मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण एवं उन्नयन कार्यों का लोकार्पण किया। भंडारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया। उन्होंने कहा कि 'विरासत भी, विकास भी' की सोच के साथ लोरमी की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का कार्य किया जा रहा है। सौंदर्यीकरण के बाद बाबाघाट का स्वरूप भव्य और आकर्षक हुआ है। श्रद्धालुओं को यहां स्वच्छ, शांत और भक्तिमय वातावरण मिला। श्री साव ने कहा कि श्री बाबाघाट धाम लोरमी का प्राचीन धार्मिक स्थल है। वर्षों से यहां साधु-संत पूजन, हवन एवं विश्राम करते रहे हैं। समय के साथ यह स्थल जीर्ण-शीर्ण हो गया था। अब इसके सौंदर्यीकरण और उन्नयन से नया स्वरूप मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने काशी कारिडोर और उज्जैन में महाकाल लोक कारिडोर का निर्माण किया। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनाया गया। छत्तीसगढ़ में भी भोरमदेव कारिडोर एवं मां बन्तेश्वरी मंदिर में 'प्रसाद' योजना के तहत कार्य होगा। वहीं रतनपुर धाम के विकास की दिशा में कार्य हो रहे हैं। इसी तरह लोरमी का बाबाघाट भी भव्य स्वरूप में विकसित किया गया है। श्री साव ने लोरमीवासियों से अपील की कि वे बाबाघाट के स्वरूप को सुंदर बनाए रखते हुए नियमित धार्मिक आयोजन करें।

लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग में 111 उप अभियंताओं की नियुक्ति प्रमुख अभियंता कार्यालय द्वारा पदस्थापना आदेश जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग ने 111 उप अभियंताओं को नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। इन्में 101 सिविल अभियंता और 10 विद्युत/यांत्रिक अभियंता शामिल हैं। प्रमुख अभियंता कार्यालय द्वारा नियुक्ति के साथ ही सभी चर्चयित उप अभियंताओं की पदस्थापना के आदेश भी जारी किए गए हैं। चर्चयितों को नियुक्ति आदेश जारी होने के 15 दिनों के भीतर पदस्थापना कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने कहा गया है। निर्धारित तिथि तक उपस्थित नहीं होने की स्थिति में नियुक्ति स्वयमेव निरस्त मानी जाएगी। लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग में उप अभियंता (सिविल) के 118 पदों तथा उप अभियंता (विद्युत/यांत्रिकी) के 10 पदों पर भर्ती के लिए व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा अप्रैल-2025 में लिखित परीक्षा ली गई थी। परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद जुलाई-2025 में विभाग द्वारा व्यापम की मेरिट सूची के अनुसार अभ्यर्थियों के दस्तावेज परीक्षण और पदस्थापना विकल्प के संबंध में कांउंसिलिंग के बाद उच्चतम न्यायालय में दायर स्थगन के कारण नियुक्ति प्रक्रिया विलंबित रही। उच्चतम न्यायालय द्वारा 20 अगस्त 2026 को याचिका के निराकरण के बाद उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यात्रिकी मंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर विभाग ने तत्काल 22 अगस्त को प्रथम चरण में अनुशंसित चयन सूची के अनुसार सिविल के 101 उप अभियंताओं तथा विद्युत/यांत्रिकी के 10 उप अभियंताओं के पदस्थापना आदेश जारी कर दिए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यात्रिकी मंत्री श्री अरुण साव ने एक साथ इतनी बड़ी संख्या में नियुक्ति पर खुशी जताते हुए कहा कि युवा इंजीनियरों की विभाग में नियुक्ति से विभागीय कार्यों, विशेषकर जल जीवन मिशन के कार्यों में गति आएगी। उच्चतम न्यायालय से प्रकरण के निराकरण के तत्काल बाद हमने नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर पदस्थापना आदेश जारी किए हैं। इन युवा इंजीनियरों की ऊर्जा और तकनीकी दक्षता का लाभ लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग को मिलेगा। लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग ने सभी चर्चयितों को पदस्थापना कार्यालय में उपस्थिति देते समय शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, स्थाई जति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, सक्षम मेडिकल बोर्ड का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र एवं अन्य प्रमाण पत्रों की मूल प्रति अनिवार्यतः प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मूल तकनीकी शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के साथ कक्षा दसवीं की अंकसूची जिसमें जनपतिथि अंकित हो या मूल जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

श्रावण के अंतिम सोमवार को अमरकंटक पहुंचे उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। श्रावण मास के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्षा विधायक श्री विजय शर्मा ने मध्यप्रदेश के पवित्र तीर्थस्थल अमरकंटक पहुंचकर मां नमदा के दर्शन किए। उन्होंने नर्मदा उद्गम स्थल स्थित नर्मदा कुंड में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात उन्होंने जलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भावना भोलेनाथ का पूजन किया और प्रदेश एवं प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने नर्मदा कुंड एवं नर्मदा उद्गम स्थल के पवित्र परिसर में पूजा-अर्चना कर मां नर्मदा का आशीर्वाद लिया। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को अमरकंटक में श्रद्धा और आस्था का विशेष वातावरण रहा। इस दौरान श्री शर्मा ने धार्मिक अनुष्ठानों के साथ जनकल्याण की भावना को सर्वोपरि रखते हुए प्रदेश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। कांवड़ियों के बीच आत्मीयता से बिताया समय अमरकंटक प्रवास के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा कांवड़ियों के बीच भी पहुंचे। उन्होंने मृत्युंजय आश्रम में कांवड़ियों को भोजन प्रसादी वितरित की और उनके साथ बैठकर प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से आत्मीय बातचीत कर उनकी कांवड़ यात्रा, यात्रा मार्ग और उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। कांवड़ियों के साथ सहजता से संवाद करते हुए उन्होंने उनकी यात्रा के अनुभव भी सुने। भोरमदेव-अमरकंटक कांवड़ यात्रा के लिए विशेष व्यवस्थाएं उल्लेखनीय हैं कि अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक लगभग 150 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देश पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। यात्रा मार्ग पर कांवड़ियों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य, सुरक्षा, भोजन और रात्रि विश्राम सहित आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। कांवड़ियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यात्रा मार्ग में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिस पेट्रोलिंग दल भी तैनात किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मृत्युंजय आश्रम में निःशुल्क भोजन और रात्रि विश्राम की व्यवस्था अमरकंटक स्थित मृत्युंजय आश्रम में कांवड़ियों के लिए निःशुल्क भोजन एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है। यहां श्रद्धालुओं को दाल-भात, सब्जी के साथ खीर, पूरी और हलवा सहित भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे लंबी कांवड़ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं को विश्राम के साथ पौष्टिक भोजन की सुविधा मिल रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कांवड़ियों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सावन माह के इस पवित्र अवसर पर भोरमदेव से अमरकंटक तक श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी कांवड़ यात्रा को सुगम बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

बिहान ने बदली संगीता की तकदीर: हुनर बना रोजगार, आज हैं ‘लखपति दीदी’ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की महिला सशक्तिकरण पहल से मिली नई पहचान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के ग्राम बेहरसरी की संगीता डहरिया आज ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की सशक्त पहचान बन गई हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित बिहान (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) से जुड़ने के बाद उन्होंने अपने हुनर को स्वरोजगार में बदला और आज 'लखपति दीदी' के रूप में न केवल अपने परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ अपने बच्चों की शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए भी आर्थिक सहयोग कर रही हैं। उनकी बेटी कक्षा 11वीं और बेटा कक्षा 6वीं में अध्ययनरत है। संगीता कहती हैं कि कभी उन्होंने नहीं सोचा था कि उनका हुनर एक दिन पूरे परिवार की आर्थिक ताकत बन जाएगा। वे भावुक होकर कहती हैं, आज मैं लखपति



छोटे व्यवसाय को नई गति दी। बढ़ती आय से वे परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ अपने बच्चों की शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए भी आर्थिक सहयोग कर रही हैं। उनकी बेटी कक्षा 11वीं और बेटा कक्षा 6वीं में अध्ययनरत है। संगीता कहती हैं कि कभी उन्होंने नहीं सोचा था कि उनका हुनर एक दिन पूरे परिवार की आर्थिक ताकत बन जाएगा। वे भावुक होकर कहती हैं, आज मैं लखपति

दीदी बन चुकी हूं। इसके पीछे हमारे विष्णु भईया का सहयोग और सरकार की योजनाओं का बड़ा योगदान है। उन्होंने हम जैसी लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। उनका कहना है कि पहले उनका अधिकांश समय केवल घरेलू कार्यों में बीतता था, लेकिन बिहान से जुड़ने के बाद उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग और आत्मविश्वास मिला। यही अवसर उनके जीवन का निर्णायक मोड़

साबित हुआ। आज वे सम्मानजनक आय अर्जित कर रही हैं और अपने पैरों पर मजबूती से खड़ी हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित "बिहान" जैसी योजनाएं प्रदेश में बदलाव की नई इबारत लिख रही हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आजीविका, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं, जिससे हजारों महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार और समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। संगीता डहरिया की सफलता इस बात का सशक्त प्रमाण है कि अवसर, आत्मविश्वास और सरकारी सहयोग मिल जाए तो गांव की महिलाएं न केवल अपने सपनों को साकार कर सकती हैं, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा भी बन सकती हैं।

महतारी वंदन से बदली सोच: बेटी के भविष्य के लिए हर महीने कर रहीं निवेश मुंगेली की केशमती बैगा ने सुकन्या समृद्धि योजना में शुरू की नियमित बचत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनके परिवार के भविष्य को भी नई दिशा दे रही है। मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम चकदा की रहने वाली श्रीमती केशमती बैगा इसकी प्रेरक मिसाल बनकर उभरी हैं। मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करने वाली केशमती महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता राशि को खर्च करने के बजाय अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में नियमित रूप से जमा कर रही हैं। आर्थिक रूप से सीमित संसाधनों के बावजूद केशमती ने यह साबित किया है कि छोटी-छोटी बचत भी भविष्य की बड़ी सुरक्षा बन सकती है। उनका मानना है कि आज की यह नियमित बचत आगे चलकर बेटी की शिक्षा, उच्च अध्ययन और अन्य आवश्यकताओं में मजबूत सहारा बनेगी। महतारी वंदन योजना ने उन्हें न केवल आर्थिक संबल दिया है, बल्कि भविष्य के लिए योजनाबद्ध बचत करने का आत्मविश्वास भी प्रदान किया है। केशमती कहती हैं कि पहले नियमित बचत करना मुश्किल लगता था, लेकिन अब हर महीने मिलने वाली राशि से बेटी के नाम निवेश करना आसान हो गया है। उनके लिए यह योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि बेटी के सपनों को साकार करने का माध्यम बन गई है। केशमती बैगा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली इस जनकल्याणकारी योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की यह पहल हजारों माताओं के मन में अपने बच्चों के सुनहरे भविष्य के प्रति नया विश्वास जगा रही है।



घुमड़ते बादलों के बीच मुक्ताकाशी मंच पर साकार हुआ ‘पावस प्रसंग’

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी रायपुर के मुक्ताकाशी मंच पर घुमड़ते बादलों, सावन की फुहारों और सुर-ताल की मनोहारी संगति के बीच 'पावस प्रसंग' का भव्य सांस्कृतिक आयोजन हुआ। प्रकृति के मनोहारी परिवेश में शास्त्रीय नृत्य और संगीत की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने वर्षा ऋतु की अनुभूतियों को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम के दौरान वातावरण कभी बादलों की गरज से गुंजा तो कभी शास्त्रीय सुरों और घुंघरुओं की झंकार से संगीतमय हो उठा। 'पावस प्रसंग' में वर्षा ऋतु के विविध भावों को कथक नृत्य और शास्त्रीय गायन के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में सुश्री शाश्वती बैनर्जी ने कथक नृत्य की भावपूर्ण प्रस्तुति से सावन की उमंग, बादलों की गरज और वर्षा की रिमझिम को नृत्य मुद्राओं के माध्यम से साकार किया। उनकी



प्रस्तुति में भाव, लय और ताल का सुंदर समन्वय देखने को मिला इसके साथ ही मेघा बोस ने शास्त्रीय गायन की मनोहारी प्रस्तुति दी। उनके सुमधुर स्वरों ने पावस ऋतु की कोमल अनुभूतियों

को स्वर प्रदान किया और उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुक्ताकाशी मंच पर शास्त्रीय संगीत की यह प्रस्तुति विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रही। सुश्री इशिका गिरी ने भी

कथक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। उनकी नृत्य प्रस्तुति में शास्त्रीय नृत्य की बारीकियों के साथ वर्षा ऋतु के उल्लास और सौंदर्य का प्रभावी चित्रण दिखाई दिया। वहीं मेवाती घराने के शास्त्रीय गायक श्री प्रदीप कुमार चौबे ने अपनी सुमधुर गायकी से पावस ऋतु की अनुभूतियों को सुरों में पिरोया। उनकी प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को सुरमयी बना दिया। कलाकारों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान साहित्य परिषद के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा ने मंच पर प्रतिभागी कलाकारों से सम्मानित किया। उन्होंने कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय शास्त्रीय कला परंपरा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है और कला के प्रति नई पीढ़ी की रुचि भी बढ़ती है।

कला प्रेमियों से सजा मुक्ताकाशी मंच

कार्यक्रम में उप संचालक श्री उमेश मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार एवं फोटोग्राफर श्री दीपेंद्र दीवान तथा श्री उदयभान सिंह सहित बड़ी संख्या में कला प्रेमी, श्रोता और दर्शक उपस्थित रहे। खुले आकाश के नीचे बादलों से घिरे मनोहारी वातावरण में शास्त्रीय संगीत और कथक की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को पावस ऋतु के सौंदर्य का अनुभू अनुभव कराया। 'पावस प्रसंग' की शाम प्रकृति और कला के अद्भुत संगम की साक्षी बनी। एक ओर आसमान में घुमड़ते बादल और सावन की फुहारें थीं, तो दूसरी ओर मंच पर कथक की लय, घुंघरुओं की झंकार और शास्त्रीय गायन के मधुर सुर।

गुणवत्ता के साथ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने मुंगेली जिले के विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी विकास कार्यों को निर्धारित समयवाधि के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबे समय से लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ जल्दी पूरा करने को कहा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्ध प्रगति को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों से कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यों में लापरवाही बरतने वाले

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की



ठेकेदारों एवं संबंधित एजेंसियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। श्री साव ने बैठक में शासन की प्राथमिकता के अनुरूप विकास कार्यों को गति देते हुए उनका लाभ नागरिकों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को विकास

कार्यों की निरंतर समीक्षा एवं स्थल निरीक्षण करते हुए प्रगति पर कड़ी नजर रखने को कहा। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही और कार्यों की धीमी प्रगति पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की बात कही।